आज का विचार

जिसकेपास कुछ भी नहीं
है उस पर दुनिया हंसती है।
जिसके पास सब कुछ है
उस पर दुनिया जलती है।
जिसके पास अनमोल
रिश्ते है... इनके लिए
दुनिया तरसती है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 16 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 39, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

संघ की दृष्टि पूर्णतया भारतीय चिंतन पर आधारित : डॉ. मोहन राव भागवत

एजेंसी (हि.स.)
गोरखपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत की ओर से रविवार को संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों से प्रमुख जन सम्मिलित हुए।

प्रमुख जन गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि संघ की दृष्टी पूर्णतया भारतीय चिंतन पद्धति से ही विकसित हुई है। आज समाज में संघ से अपेक्षाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है जो समाज को सुख और शांति दे सके, इसलिए वह भी हमारी तरफ आशा भरी नजरों से देख रहा है। भारतवर्ष में पाश्चात्य चिंतन का प्रभाव पड़ने लगा था, जिसने भारतीय ज्ञान परम्परा को खण्डित करने का प्रयत्न किया और अपने चिंतन को स्थापित करने का प्रयास किया किन्तु उनकी चिंतन पद्धति अधूरी थी। भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित हमारी चिंतन पद्धति ही समाज में उत्पन्न शंकाओं का समाधान कर सकती हैं। इसलिए संघ शताब्दी वर्ष में हमने समाज तक जाने का निर्णय लिया, जिससे हम समाज को संगठित कर सकें।।

आगे उन्होंने कहा कि संघ एक स्वायत्त, स्वतंत्र व स्वालंबी संगठन है जो अपने लिये नहीं राष्ट्र के लिए समर्पित है। पूर्ण समाज फिर से स्वस्थ होकर अपना कार्य करने लगे तो संघ की आवश्यकता ही क्यों।

सरसंघचालक ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी परिस्थिति विशेष की प्रतिक्रिया नहीं है और ना ही उसका किसी से विरोध है। वह किसी के साथ अपनी स्पर्धा भी नहीं देखता। वह प्रभाव, सत्ता, लोकप्रियता का भी आकांक्षी नहीं है। बल्कि समाज के हित में सभी कार्यों को करने वाला ही संघ है।

बाइबल के वाक्य- 'आई हैव कम टू फुलफील नॉट टू डिस्ट्रॉय' के आधार पर उन्होंने कहा- 'संघ हैज कम टू फुलफील नॉट टू डिस्ट्रॉय' अर्थात हम किसी को नष्ट करने के लिए नहीं आये है।

सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के लिए चार चिंतन धाराएं चलीं। पहला चिंतन पुनः लड़कर उन्हें हरा दें, सुभाष चंद्र बोस तक यह धारा चली। यह थी क्रांति की धारा।

दूसरी धारा के अनुसार समाज में राजनीतिक जागृत नहीं थी इसलिए हम हारे। समाज में राजनीतिक जागृत पैदा करनी पड़ेगी। यह दूसरी धारा चली।

तीसरी धारा अंग्रेजों से बराबरी के लिए आधुनिक ज्ञान- विज्ञान की धारा एवं समाज सुधार की धारा थी, किन्तु यह भी एक द्वीप बन का रह गयी समाज के सागर में। जैसे राममोहन राय आदि ने इस पर प्रयत्न किया।

चौथा प्रवाह हम इसलिए भटके क्योंकि हम अपने मूल से अलग हुए। अतः पुनः मूल की तरफ हम बढ़ें। स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद आदि ने किया।।

इन चारों धाराओं या प्रवाह से हेडगेवार जी का संपर्क रहा। उन्होंने बताया कि हेडगेवार जी ने यह सुनिश्चित करना चाहा कि भारत को स्वतंत्रता तो मिलेगी ही किन्तु यह पुनः नहीं जाएगी, इसलिए हमें अपनी कमियों को ठीक करना आवश्यक है। समाज को इसके लिए खड़ा करना होगा। हमें अपने स्वार्थ को छोड़कर स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु संगठित होना होगा। इसके लिए उन्होंने सन-1925 ई० में विजयादशमी के दिन संघ के काम को शुरू किया। संघ स्थापना के 14 वर्ष पश्चात संघ की कार्य पद्धति स्पष्ट हुई, जिसका नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। संघ प्रेम और संस्कार से चलेगा जिसका विचार सनातन होगा। जिसका उद्देश्य समाज पुनर्गठित करना होगा। समाज के कृतित्व से ही राष्ट्र बनते या बिगड़ते है इसलिए यदि समाज जागृत होगा तो कार्य ठीक होगा।

हिंदू समाज की बात ही संघ क्यों करता है इसे स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि इस देश में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंदू है। हिंदू समाज मानता है कि हमारा रास्ता भी ठीक है और तुम्हारा भी। इस समाज में रुचि के अनुसार अन्य-अन्य पंथ सम्प्रदाय हैं। रास्ते अलग अलग हो सकते हैं किन्तु लक्ष्य एक। इस धारणा को मानने वाला ही हिंदू समाज है। मिलजुल कर चलो ऐसा मानने वाले को एक नाम दिया गया हिंदू। वास्तव में हिंदू शब्द एक संज्ञा नहीं, बल्कि व्याकरण की दृष्टि से एक विशेषण है जो गुणधर्म बताता है जो सबको एक साथ चलाता है। मोक्ष की तरफ ले जाता है। यही हिंदू धर्म है। चूंकि यह हिन्दू नाम भारत के साथ रूढ़ हो गया है इसलिए हिंदू नाम से ही सनातन जगेगा। जो भूल गए हैं कि हम हिंदू है, उन्हें याद दिलाना है कि आप हिंदू हो। जिससे हिंदू समाज खड़ा हो सके। हमें अपना ध्येय पूर्ण करना है।

उन्होंने बताया समाज साहिष्णुता और समन्वयता से ही चलना चाहिए। अपने स्वार्थ के लिए नहीं, दूसरों के हित के लिए चलना ही भारतीय संस्कृति है। इस सत्य को पहचानने से ही हमें शाश्वत आनंद की प्राप्ति हुई। उन्होंने आगे कहा कि हमारा राष्ट्र धर्मप्राण राष्ट्र है। धर्म हमारे आचरण का हिस्सा है। इसके लिए संस्कार की आवश्यकता थी। पीढ़ी दर पीढ़ी मानवीय आदतें बनाई गई, यही संस्कार है और इससे ही संस्कृति बनी।

पेंशन के मुद्दे पर बोलने वाले पहले अपने गिरेबां में झांके: नायब सैनी

मेवात की धरती ने सदैव साहस, बलिदान और स्वाभिमान की परंपरा को आगे बढ़ाया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अरावली की गोद में बसा तावडू क्षेत्र अपने मेहनती, स्वाभिमानी और संघर्षशील लोगों के लिए पूरे प्रदेश में जाना जाता है। मेवात की धरती ने सदैव साहस, बलिदान और स्वाभिमान की परंपरा को आगे बढ़ाया है। सन-1857 की आजादी की प्रथम लड़ाई से लेकर आजादी मिलने तक के संघर्ष में यहां के लोगों ने जो भूमिका निभाई, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

मुख्यमंत्री रविवार को सोहना विधानसभा के तावडू की अनाज मंडी में विकसित सोहना-तावडू विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान उपस्थित जनसमूह को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की बधाई भी दी और कहा कि यह पावन पर्व है हमें लॉर्ड शिवा के दर्शन करने, उनके जीवन दर्शन से जुड़ने का एक अवसर प्रदान करता है। महाशिवरात्रि हमें यह सिखाती है कि जब जीवन में अंधकार बढ़े तब आत्म चिंतन का दीप जलाओ। उन्होंने कहा कि यह शिवरात्रि सभी के जीवन में स्वास्थ्य, शांति, साहस और सफलता प्रदान करे,

साथ ही आपके हर प्रयास में ऊर्जा हो और निर्णय में विवेक हो, हर दिन में आशा का उजाला हो।

मुख्यमंत्री ने इससे पहले 47 करोड़ 36 लाख रुपये लागत की 16 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किए। इनमें 21 करोड़ 77 लाख 25 हजार रुपये लागत के 11 उद्घाटन और 25 करोड़ 58 लाख 58 हजार रुपये की लागत के 5 शिलान्यास शामिल हैं।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि तावडू सोहना विकास रैली में उमड़ा जनसमूह इस बात का प्रमाण है कि आपका भाजपा सरकार की नीयत, नीति और जन-कल्याणकारी योजनाओं में गहरा विश्वास है। इसी विश्वास के बल पर हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को लगातार तीसरी बार जनसेवा का अवसर मिला है, उन्होंने कहा कि वह पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि क्षेत्र के विकास में किसी भी तरह की कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सोहना हलके के विकास को गति देने के लिए 11 वर्षों के कार्यकाल में 62 सीएम अनाउंसमेंट हुई। इनमें से 49 का काम पूरा हो चुका और 13 का काम प्रगति पर है। उन्होंने सोहना विधानसभा क्षेत्र में करवाये गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने इस हलके में विकास कार्यों पर पिछले 11 वर्षों में 1 हजार 515 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जबकि, कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 222 करोड़ रुपये खर्च किये गये थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से 2024 तक सोहना क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा विकास कार्यों पर 285 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। इसी प्रकार वर्ष 2024 से अब तक इस विभाग द्वारा 5 करोड़ 70 लाख रुपये विकास कार्यों पर खर्च किए गए हैं। इसके अलावा, 407 करोड़ रुपये के काम पाइपलाइन में हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार से पहले कांग्रेस सरकार के 10 साल के शासनकाल में 1 हजार 138 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जारी की गई थी। कांग्रेस सरकार तो किसानों की 269 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि बकाया छोड़कर चली गई थी। इसे बीजेपी सरकार ने वर्ष 2014 में जनसेवा का दायित्व संभालने के बाद वर्ष 2015 में जारी किया। इसी तरह वर्तमान सरकार ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में जमीनों व सम्पत्तियों का पेपरलेस रजिस्ट्रेशन शुरू किया है। अब रजिस्ट्री का काम पूरी तरह डिजिटल हो गया है। पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर आय सीमा को 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये किया गया है।

ईशा योग केंद्र में महाशिवरात्रि समारोह के लिए पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी (हि.स.)
कोयंबटूर

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज शाम महाशिवरात्रि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए कोयंबटूर स्थित ईशा योग केंद्र पहुंचे। उनके आगमन पर ईशा फाउंडेशन के संस्थापक और आध्यात्मिक गुरु साधगुरु जग्गी वासुदेव ने उनका स्वागत किया।

रक्षा मंत्री ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ केंद्र में पूजा-अर्चना की, जिसके बाद उत्सव की औपचारिक शुरूआत हुई।

कोयंबटूर स्थित ईशा योग केंद्र में आयोजित इस भव्य महाशिवरात्रि समारोह में अन्य प्रमुख हस्तियों के भी शामिल होने की उम्मीद है। इनमें केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा पर्यटन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी शामिल हैं। इसके अलावा देशभर से कई गणमान्य व्यक्ति, आध्यात्मिक नेता और कलाकार भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं।

इस वर्ष महाशिवरात्रि का विषय ह्लगंगाह्व रखा गया है, जिसमें पवित्र नदी के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पारिस्थितिक महत्व पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पूरी रात चलने वाले इस कार्यक्रम में सद्गुरु द्वारा निर्देशित ध्यान सत्र, संगीत और नृत्य प्रस्तुतियां तथा देश के प्रमुख कलाकारों के लाइव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मंच पर प्रस्तुति देने वाले प्रसिद्ध कलाकारों में आदित्य गढ़वी और प्रशांत सोनागरा शामिल हैं। ह्वसाउंड्स ऑफ ईशाह्ल (रडक) के सहयोग से स्वरूप खान, ब्लेज, हरीश सागणे और ढोल ताशा की प्रस्तुतियां होंगी। स्वागत राठौड़, पृथ्वी गांधर्व, ऐश्वर्या निगम और दीपाली सहाय भी विशेष संगीत प्रस्तुतियों के साथ भाग लेंगे।

सदगुरु भक्तों के लिए योगेश्वर लिंग महाअभिषेक करेंगे, जिससे वे योगेश्वर लिंग के साथ अपनी आध्यात्मिक जुड़ाव को और गहरा कर सकें। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस निःशुल्क आयोजन के लिए विश्वभर से लाखों लोगों ने पंजीकरण कराया है।

इस समारोह का वैश्विक स्तर पर लाइव प्रसारण किया जाएगा, जिसमें सांकेतिक भाषा की सुविधा भी उपलब्ध होगी, ताकि श्रवण बाधित समुदाय भी इसका लाभ उठा सके।

लाइवस्ट्रीम कल सुबह 6 बजे तक जारी रहेगी और इसे 23 भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में प्रसारित किया जाएगा, जिससे विश्वभर के लोग इस आध्यात्मिक महत्त्व की रात्रि में सहभागी बन सकें।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की तबियत बिगड़ी, फोर्टिस अस्पताल में हुए भर्ती

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान कि अचानक तबियत बिगड़ने के कारण उन्हें मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इससे पहले पिछले साल सितंबर माह में भी मुख्यमंत्री भगवंत मन को फॉर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। रविवार को शिवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान, दिल्ली के

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया के साथ संगरूर में रणकेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए गए थे। उसके कुछ समय बाद भगवंत मन की तबीयत बिगड़ गई। संगरूर में प्राथमिक उपचार के बावजूद मुख्यमंत्री की तबीयत में जब सुधार नहीं हुआ तो उन्हें मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रविवार देर रात फोर्टिस अस्पताल प्रबंधकों द्वारा जारी किए गए हेल्थ बुलेटिन के अनुसार भगवंत मान की तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें यहां पर लाया गया। जांच के बाद भगवंत मन को डॉक्टरों की निगरानी में भर्ती कर लिया गया है। भगवंत मन की हालत स्थिर बनी हुई है। शनिवार को मुख्यमंत्री भगवत सिंह मान अपनी भांजी के शादी समारोह में परिवार सहित शामिल हुए थे। 16 फरवरी को भगवंत मान को मोगा जिले में होने वाली रैली में शामिल होना है लेकिन अचानक तबियत बिगड़ने के कारण इस रैली में शामिल होने पर भी अब संशय बना हुआ है।

पीडीएस की शुरूआत कर शाह ने कहा- बिचौलियों की भूमिका होगी खत्म

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरूआत की। साथ ही उन्होंने राशन बांटने वाली अन्नपूर्णा मशीन का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से डिजिटल इंडिया का विस्तार अब राशन वितरण

तक हो गया है। यह प्रणाली गरीबों को सस्ता अनाज देने की व्यवस्था को आधुनिक, सरल और पारदर्शी बनाएगी। गरीबों को मिलने वाले राशन में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार खत्म होगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से गरीबों को डिजिटल माध्यम से सीधे राशन मिलेगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भ्रष्टाचार कम हुआ, वैसे ही यह व्यवस्था राशन वितरण में पारदर्शिता लाएगी।

गृह मंत्री ने ह्यअन्नपूर्णा मशीनह्ण का भी शुभारंभ किया। यह मशीन 35 सेकंड में 25 किलो अनाज वितरित कर सकती है। उन्होंने कहा कि इससे सही मात्रा और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

अमित शाह ने कहा कि अगले तीन से चार सालों में इस प्रणाली को पूरे देश में लागू किया जाएगा। इससे हर पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार का राशन पारदर्शी तरीके से मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज दे रही है। नई व्यवस्था से खाद्य सुरक्षा प्रणाली और मजबूत होगी। सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

सात समंदर पार मॉस्को में 20 को होगी रामलीला, रुसी कलाकार निभाएंगे श्री राम व सीता की भूमिका

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राममंदिर से जुड़े विकास कार्यों और दीपोत्सव समेत किए जा रहे अभूतपूर्व आयोजनों की ख्याति अब सात समंदर पार तक पहुंच रही है। योगी सरकार के सांस्कृतिक विजन और अयोध्या में हुए आध्यात्मिक नवजागरण से प्रेरित होकर रूस की राजधानी मॉस्को में 20 फरवरी को रामलीला का आयोजन किया जाएगा।

रूस में भारत के दूतावास और जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (जेएनसीसी) के सहयोग से होने वाली इस रामलीला में रूस के कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। लीला में राम की भूमिका में एवगेनी, सीता के रूप में दारिया, लक्ष्मण के रूप में मुरात और हनुमान के रूप में दिमित्री मंच पर भारतीय आस्था की सजीव प्रस्तुति देंगे। यह रामलीला अयोध्या में विगत दिनों हुए दीपोत्सव से प्रेरणा लेकर दिव्य और भव्य रूप में आयोजित की जा रही है। इसे भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।

रूसी-भारतीय मैत्री संस्था ह्यदिशाह्ल इस आयोजन की मुख्य संचालक है। डॉ. रामेश्वर सिंह के नेतृत्व में यह संस्था वर्षों से नाट्य प्रस्तुतियों, सांस्कृतिक उत्सवों और शैक्षिक पहल के जरिए भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक सेतु का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सत्य, मयार्दा और आदर्श जीवन का सार्वभौमिक संदेश है। यही वजह है कि रूसी दर्शकों में भी इसके प्रति विशेष उत्सुकता देखी जा रही है।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से अयोध्या का दीपोत्सव वैश्विक पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लाखों

दीपों से जगमगाती अयोध्या की तस्वीरों ने दुनियाभर के सांस्कृतिक संगठनों और कलाकारों को प्रभावित किया है। योगी सरकार ने रूस के कलाकारों की टीम को अयोध्या दीपोत्सव में मंच प्रदान किया। यह टीम रामलीला प्रस्तुत कर पहले ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है। अयोध्या की आध्यात्मिक आभा और आयोजन की भव्यता देखकर रूस से यहां आए आयोजक और कलाकार इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मॉस्को में भी उसी भाव को साकार करने का निर्णय लिया।

भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों में रामलीला की परंपरा का इतिहास भी उल्लेखनीय रहा है। 1960 के दशक में सोवियत अभिनेता पद्मश्री गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव ने मॉस्को में रामलीला का मंचन कर दोनों देशों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को नई ऊंचाई दी थी। यह पहल दोनों देशों के लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आयोजन के नेतृत्वकर्ता रामेश्वर सिंह ने बताया कि रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार के विशेष सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुरू किया गया दीपोत्सव और सांस्कृतिक नवजागरण अब वैश्विक प्रभाव दिखा रहा है। मॉस्को की रामलीला अयोध्या की प्रेरणा से आयोजित की जा रही है। मॉस्को में 20 फरवरी को होने वाली रामलीला के लिए भव्य मंच सज्जा, पारंपरिक वेशभूषा और संगीत की विशेष तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रूसी नागरिक, भारतीय समुदाय और सांस्कृतिक जगत की हस्तियां शामिल होंगी। जब मंच पर श्रीराम की लीला सजीव होगी तो पूरा वातावरण भारतीय संस्कृति की भक्ति, मयार्दा और आदर्शों से सराबोर नजर आएगा। यह आयोजन नाट्य प्रस्तुतियों, उत्सवों और शैक्षिक पहल के माध्यम से दोनों देशों की एकता की सशक्त मिसाल पेश करेगा।

हिमाचल में मेडिकल कॉलेजों और स्पेशियलिटी संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए 1617 करोड़ रुपये मंजूर : सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में इलाज के लिए लोगों को बाहर जाने की मजबूरी कम करने और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। राज्य सरकार ने 3 हजार करोड़ रुपये की व्यापक स्वास्थ्य आधुनिकीकरण योजना के पहले चरण में 1,617 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। इस योजना के तहत सरकारी मेडिकल कॉलेजों, सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों और आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाया जाएगा। यह परियोजना 1 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2031 तक चरणबद्ध तरीके से लागू होगी।

सरकार का मानना है कि समय पर सही जांच और इलाज न मिलने से न केवल मरीज की हालत गंभीर होती है, बल्कि इलाज का खर्च भी काफी बढ़ जाता है। अध्ययनों के अनुसार, यदि बीमारी का पता देर से चलता है तो इलाज पर होने वाला खर्च 30 से 50 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत करने और मरीजों को जल्दी विशेषज्ञ इलाज उपलब्ध कराने की योजना बनाई है।

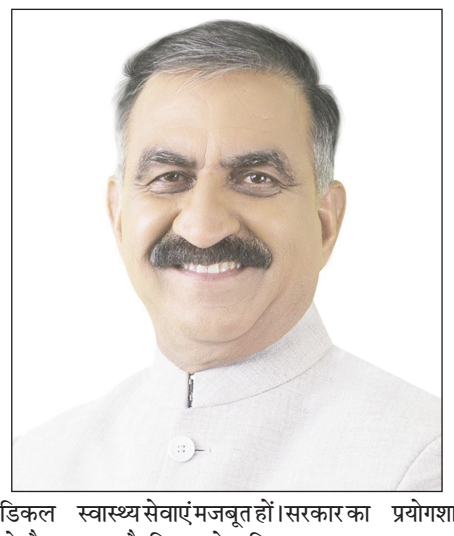

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस पहल के तहत अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में अत्याधुनिक जांच सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इनमें आधुनिक डायग्नोस्टिक मशीनें, सिमुलेशन आधारित मेडिकल ट्रेनिंग सिस्टम, एआई तकनीक से लैस हैंडहेल्ड एक्स-रे उपकरण और एकीकृत डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसका उद्देश्य यह है कि मरीजों को समय पर विशेषज्ञ इलाज मिले, रेफरल पर होने वाला खर्च कम हो और दूरदराज क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हों। सरकार का दावा है कि इससे महिला स्वास्थ्य, समान अवसर और पर्यावरण के अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

परियोजना के पहले चरण में मेडिकल कॉलेजों की भौतिक संरचना को मजबूत किया जाएगा। इसके तहत नए भवनों का निर्माण, पुराने भवनों का नवीनीकरण, ओपीडी और आईपीडी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। मेडिकल छात्रों के लिए हाई-टेक सिमुलेशन सेंटर, एआर और वीआर तकनीक पर आधारित प्रशिक्षण सुविधाएं, डिजिटल लाइब्रेरी और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म से जुड़ी स्किल लैब स्थापित की जाएंगी। इसके साथ ही एमआरआई, सीटी स्कैन, डिजिटल रेडियोलॉजी और आधुनिक जांच प्रयोगशालाएं भी स्थापित होंगी। अस्पतालों के डिजिटल सिस्टम को राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप जोड़ा जाएगा, ताकि मरीजों का डाटा सुरक्षित और आसानी से उपलब्ध हो सके।

दूसरे चरण में आईजीएमसी शिमला, एआईएमएसएस चमियाना और डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर जैसे बड़े संस्थानों में सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा। यहां किडनी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट, न्यूरोसर्जरी, हृदय शल्य चिकित्सा, उन्नत एंडोस्कोपी, बाल चिकित्सा और रोबोटिक सर्जरी जैसी सुविधाओं का विस्तार होगा। इसके लिए अत्याधुनिक मशीनें और तकनीक उपलब्ध कराई जाएंगी।

तीसरे चरण में आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। जिला और उपमंडल स्तर के अस्पतालों में सीटी स्कैन, मोबाइल एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, लैप्रोस्कोपिक सर्जरी और आंखों के ऑपरेशन की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। साथ ही टेलीमेडिसिन और डिजिटल रेफरल सिस्टम को मजबूत किया जाएगा, ताकि मरीजों को जरूरत पड़ने पर बड़े अस्पतालों से तुरंत जोड़ा जा सके।

जयराम ठाकुर ने दी मंडी अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव की शुभकामनाएं

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सात दिवसीय मंडी अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव की प्रदेशवासियों और मंडी देव समाज को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा है कि ये पर्व देवताओं के महाकुंभ के रूप में हर वर्ष मनाया जाता है। सैकड़ों देवी देवताओं की उपस्थिति और हजारों देवलुओं के बीच देवमय वातावरण हमारी प्राचीन संस्कृति और सनातन की ताकत है। उन्होंने विशेष रूप से मंडीवासियों को इस खास पर्व की बधाई देते हुए बाबा भूतनाथ, राज देवता माधोराय और समस्त पधारे देवी-देवताओं से सुख समृद्धि और शांति की प्रार्थना की है।

जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि राज्य की आर्थिकी सुधारने वाले महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को सरकार ने अपनी ज़िद, भ्रष्टाचार की संभावनाएँ तलाशने की प्रवृत्ति और घोर कुप्रबंधन से बदहाल कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि यह तथाकथित व्यवस्था परिवर्तन वाली मित्रों की सरकार नालागढ़ मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट को समय से पूरा करती, तो यह हिमाचल प्रदेश के लिए एक गेम चेंजर साबित होता, लेकिन सुक्खू सरकार ने अपनी राजनैतिक दुर्भावना के चलते प्रदेश के हितों की बलि चढ़ा दी है।

जयराम ठाकुर ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि नालागढ़ के अलावा देश के तीन अन्य राज्यों में ऐसे पार्क प्रगति पर है। यमुना एक्सप्रेस-वे (उत्तर प्रदेश) में कंपनियों को प्लॉट आवंटित हो चुके हैं, उज्जैन (मध्य प्रदेश) में उन्नत तकनीक वाली कंपनियां निवेश कर रही हैं और कांचीपुरम (तमिलनाडु) वेंटिलेटर व पेसमेकर जैसे उपकरणों को बनाने वाली कंपनियों के निवेश की संभावनाएं बनाकर देश को चिकित्सा उपकरण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे कदम बढ़ा रहा है, जबकि हिमाचल में हमारी पूर्व की भाजपा सरकार द्वारा कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद हासिल किया गया यह प्रोजेक्ट आज सरकार की हठधर्मिता के कारण दम तोड़ रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश की चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मित्रों के सुख की सरकार में जनता का सुख पूरी तरह छिन चुका है और जिस हिमकेयर योजना ने प्रदेश के लाखों लोगों को बीमारी से लड़ने का हौसला और मुफ्त इलाज का अधिकार दिया था, उसे यह सरकार साजिश के तहत खत्म करने पर तुली है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में हिमकेयर के 400 करोड़ रुपए, आयुष्मान भारत के 250 करोड़ रुपए और सहारा योजना के 120 करोड़ रुपए की देनदारियां लंबित होने के कारण सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज ठप हो गया है। वेंडरों ने बकाया भुगतान न मिलने पर सर्जिकल सामान और दवाइयों की आपूर्ति रोक दी है, जिससे गरीब मरीजों के ऑपरेशन टल रहे हैं और कैंसर जैसे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को हजारों रुपए के इंजेक्शन व दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं।

एसएमवीडीयू में 5 दिवसीय रेजिडेंशियल स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न, सोलर ऊर्जा क्षेत्र में युवाओं को मिला प्रशिक्षण

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग द्वारा ह्लसोलर फोटोवोल्टिक सिस्टम्सः डिजाइन, इंस्टॉलेशन एंड मेंटेनेंसह्व विषय पर पांच दिवसीय रेजिडेंशियल स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को जम्मू-कश्मीर के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सतत विकास में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को सौर ऊर्जा क्षेत्र में उद्यमिता के अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। प्रथम तकनीकी व्याख्यान दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रो. एम. रिजवान द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने सोलर पीवी डिजाइन और उभरती तकनीकों पर विस्तृत जानकारी साझा की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सोलर पीवी सिस्टम की मूल अवधारणाओं, उपकरणों के चयन, इन्वर्टर तकनीक, माउंटिंग स्ट्रक्चर, इंस्टॉलेशन प्रक्रिया, परीक्षण और रखरखाव संबंधी व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। इसके साथ ही एसएमवीडीयू के सोलर रूफटॉप प्लांट का दौरा कर सिस्टम डिजाइन, संचालन संबंधी चुनौतियों, मेंटेनेंस रणनीतियों और निवेश पर प्रतिफल की गणना पर चर्चा की गई।

विशेषज्ञ सत्र गुजरात ऊर्जा अनुसंधान और प्रबंधन संस्थान और पीडीएफ इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद के पेशेवरों तथा अन्य उद्योग विशेषज्ञों द्वारा संचालित किए गए। जम्मू क्षेत्र से कुल 46 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रमुख एवं इंजीनियरिंग संकाय के डीन डॉ. कुमुद रंजन झा ने किया, जबकि सह-समन्वय डॉ. प्रभु ओमर, डॉ. जतिनकुमार सोनी और श्री आकाश दीप द्वारा किया गया। समापन सत्र में डॉ. अशोक डे, भारती चेयर प्रोफेसर, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

रामसिंह की इतिहास संकलन योजना ने राष्ट्रचेतना को किया सशक्त : सुरेश सोनी

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी ने कहा कि ठाकुर राम सिंह द्वारा शुरू की गई इतिहास संकलन योजना ने देश में सकारात्मक बौद्धिक वातावरण तैयार करने और राष्ट्रचेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे रविवार को हमीरपुर जिले के नेरी में आयोजित राम सिंह की 111वीं जयंती समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे।

सोनी ने कहा कि राम सिंह की प्रतिमा का अनावरण केवल श्रद्धांजलि नहीं है, बल्कि यह उस भारतीय परंपरा का प्रतीक है जिसमें समाज अपने महापुरुषों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ता है। उन्होंने बताया कि राम सिंह ने कठिन परिस्थितियों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य को आगे बढ़ाया और वर्ष 1988 में इतिहास संकलन योजना का शुभारंभ किया। उनका मानना था कि भारतीय इतिहास को भारतीय दृष्टिकोण से समझना और प्रस्तुत करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान ऐसी कई धारणाएं स्थापित करने का प्रयास किया गया जिनसे देश और समाज को विभाजित किया जा सके। आर्यन आक्रमण सिद्धांत जैसे विचारों के माध्यम से यह दिखाने की कोशिश हुई कि भारत की परंपराएं बाहरी प्रभावों का परिणाम हैं, जबकि भारतीय स्रोतों, परंपराओं और शोध से इन धारणाओं को चुनौती मिली है। सोनी ने कहा कि भारतीय इतिहास की कालगणना, वंशावली परंपरा, लोक परंपराएं और प्राचीन ग्रंथ हमारे इतिहास के महत्वपूर्ण प्रमाण हैं और इन पर गंभीर शोध की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि ठाकुर राम सिंह एक कुशल संगठक, दूरदर्शी विचारक और लेखक थे। उन्होंने बताया कि राम सिंह ने अपने शोध कार्यों के माध्यम से भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता पर जोर दिया और नेरी स्थित शोध संस्थान इसी दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नई शिक्षा नीति में भारतीय दृष्टिकोण को महत्व दिया गया है और केंद्र सरकार द्वारा बड़ी संख्या में पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने कहा कि राम सिंह का मानना था कि जो राष्ट्र अपने इतिहास को भूल जाता है, वह आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने बताया कि राम सिंह के मार्गदर्शन में कई संस्थानों की स्थापना हुई, जो आज भी समाज में राष्ट्रचेतना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

सरकार हर मोर्चे पर विफल : अनुराग ठाकुर

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार को नेरी में मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में बनी कांग्रेस सरकार अपने गठन के दिन से ही हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2022 से पूर्व कांग्रेस ने प्रदेश की जनता से कई गारंटियां की थीं, जिनमें 18 से 60 वर्ष की महिलाओं को 1500 प्रतिमाह, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, एक लाख सरकारी पदों को भरना, दूध पर समर्थन मूल्य तथा बागवानों को राहत देने जैसे वादे शामिल थे। उन्होंने कहा कि आज अधिकांश गारंटियां या तो अधूरी हैं या धरातल पर नजर नहीं आ रही हैं। प्रदेश की जनता अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रही है,ह्व सांसद ठाकुर ने आरोप लगाया कि सुक्खू सरकार ने यदि किसी एक क्षेत्र में प्रदर्शन किया है तो वह है अपने मित्रों और करीबी लोगों को सुविधाएं एवं लाभ पहुंचाने में। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रदेश पर 1 लाख करोड़ से अधिक का कर्ज हो गया, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री के मित्रों एवं मंत्रियों के लिए लग्जरी वाहनों की खरीद में सरकार व्यस्त रही। ह्लप्रदेश की जनता सब देख रही है और कांग्रेस को इसका जवाब देना होगा,ह्व उन्होंने कहा। आरडीजी के विषय में उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अनुदान केवल हिमाचल प्रदेश के लिए नहीं, बल्कि 17 राज्यों के लिए बंद किया गया है। उन्होंने कहा कि इसकी सूचना लगभग 20 वर्ष पूर्व ही दी जा चुकी थी।

नटरंग का नया हिंदी नाटक आखिरी बूंद मंचित, जल संरक्षण का दिया सशक्त संदेश

जम्मू। जम्मू के रानी पार्क में प्रसिद्ध रंगमंच संस्था नटरंग ने रविवार को अपना नया हिंदी नाटक आखिरी बूंद मंचित किया। इस नाटक का लेखन और निर्देशन नीरज कांत ने किया। नाटक के माध्यम से जल संरक्षण, सामुदायिक जिम्मेदारी और ग्रामीण भारत में सतत जल प्रबंधन के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। आखिरी बूंद में जल जीवन मिशन, जम्मू-कश्मीर की परिकल्पना को रचनात्मक और सशक्त रंगमंचीय शैली में दर्शाया गया। प्रभावशाली अभिनय, विचारोत्तेजक संवाद और सशक्त दृश्यों के जरिए यह दिखाया गया कि किस प्रकार हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना मिशन का मुख्य उद्देश्य है। नाटक ने दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया। नटरंग के निदेशक बलवंत ठाकुर ने बताया कि संस्था ने हाल ही में जल जीवन मिशन को समर्पित दस लघु नाट्य प्रस्तुतियां तैयार की थीं, जिन्हें छह मंचनों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया और दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। इसी उत्साह के चलते रविवार के विशेष मंचन को मिशन के नाम समर्पित किया गया। नाटक की कहानी एक ऐसे गांव पर आधारित है जहां जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल से स्वच्छ पानी पहुंचने पर ह्लजल अर्पण दिवसह्व और ह्लजल महोत्सवह्व मनाया जाता है। महिलाएं बताती हैं कि अब उन्हें पानी लाने के लिए मीलों नहीं चलना पड़ता, जबकि बच्चियां नियमित रूप से स्कूल जा पा रही हैं। ग्राम सभा के माध्यम से युवा और किसान जल व्यवस्था को बनाए रखने का संकल्प लेते हैं। कहानी में एक मोड़ तब आता है जब एक व्यक्ति कार धोते समय पानी बर्बाद करता दिखाई देता है। संवादों के माध्यम से पानी के जिम्मेदार उपयोग, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और वृक्षारोपण की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

एसएसपी मोहिता ने महाशिवरात्रि पर दी शुभकामनाएं, शांति और सौहार्द की कामना

कठुआ। कठुआ जिले की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व की पूर्व संध्या पर जिले के समस्त नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। जिला पुलिस कठुआ के सभी अधिकारियों एवं जवानों की ओर से अपने संदेश में उन्होंने कठुआ के नागरिकों, पुलिस शहीदों के परिजनों तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिवारों को इस पवित्र अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अपने संदेश में एसएसपी मोहिता शर्मा ने आशा व्यक्त की कि भगवान भोलेनाथ का यह पावन पर्व सभी के जीवन में शांति, प्रगति और समृद्धि लेकर आए तथा जिले में आपसी भाईचारे, सांप्रदायिक सौहार्द और एकता की भावना को और मजबूत करे। महाशिवरात्रि का पर्व आस्था, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, जो समाज में प्रेम, सद्भाव और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा देता है।

कांग्रेस राज में हिमकेयर और आयुष्मान के करोड़ों रुपये के मरीजों को नहीं मिल रहा मुफ्त इलाज : संदीपनी भारद्वाज

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति कमजोर होती जा रही है और मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने रविवार को एक बयान में कहा कि हिमकेयर, आयुष्मान और सहारा जैसी योजनाओं के तहत अस्पतालों को किए जाने वाले करोड़ों रुपये के भुगतान लंबे समय से लंबित हैं, जिसके कारण अस्पतालों की व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

उन्होंने बताया कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार हिमकेयर योजना के लगभग 400 करोड़ रुपये, आयुष्मान योजना के करीब 250 करोड़ रुपये तथा सहारा योजना के लगभग 120 करोड़ रुपये के भुगतान अभी तक जारी नहीं किए गए हैं। भुगतान में देरी से अस्पतालों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है और कई स्थानों पर सर्जिकल सामान उपलब्ध कराने वाले आपूर्तिकताओं ने सामग्री की आपूर्ति रोक दी है। इसका सीधा असर मरीजों पर पड़ रहा है, जिससे कई ऑपरेशन टल रहे हैं और इलाज में देरी हो रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कई अस्पतालों में मरीजों को दवाइयाँ उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर बाहर से खरीदने के लिए भेजा जा रहा है। कैंसर जैसे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को महंगे इंजेक्शन और दवाइयाँ बाजार से खरीदनी पड़ रही हैं, जबकि योजनाओं के तहत मुफ्त इलाज का दावा किया जाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के प्रमुख अस्पताल इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) में भी उपचार से जुड़ी कई सेवाओं के शुल्क बढ़ा दिए गए हैं। स्पेशल वार्ड, एमआरआई और पीईटी स्कैन जैसी सुविधाओं की दरें बढ़ने से आम मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसी तरह धर्मशाला के अस्पताल में पर्ची शुल्क, टेस्ट शुल्क और मेडिकल सर्टिफिकेट की फीस बढ़ाने की बात भी सामने आई है।

संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि एक ओर सरकार अस्पतालों का बकाया भुगतान समय पर नहीं कर पा रही है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य सेवाओं की दरें बढ़ाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन का असर अब सीधे स्वास्थ्य सेवाओं पर दिखाई दे रहा है और इसका खामियाजा गरीब तथा गंभीर मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि सभी लंबित भुगतान तुरंत जारी किए जाएं, अस्पतालों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ हर पात्र मरीज को समय पर मिल सके।

राजस्व घाटा अनुदान बहाली के लिए भाजपा आगे आए, प्रदेशहित में राजनीति से ऊपर उठें: विनय कुमार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने भाजपा से आग्रह किया है कि वह राजनीतिक और दलगत भेदभाव छोड़कर हिमाचल प्रदेश के भविष्य के लिए केंद्र सरकार से राजस्व घाटा अनुदान बहाल करवाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि यह समय राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर प्रदेश के अधिकार, अस्तित्व और स्वाभिमान की लड़ाई लड़ने का है।

विनय कुमार ने रविवार को एक बयान में कहा कि भाजपा को आगे आकर प्रदेश के हित में सहयोग देना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों से भी एकजुट होकर काम करने की अपील की है, ताकि प्रदेश के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश का देश के पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रदेश ने अपनी बहुमूल्य प्राकृतिक संपदा का संरक्षण करते हुए वन, नदियों और स्वच्छ पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई है। विकास के मामले में भी हिमाचल अन्य पहाड़ी राज्यों में अग्रणी रहा है और अपनी अलग पहचान स्थापित की है। इसमें प्रदेश की विभिन्न सरकारों के साथ-साथ आम लोगों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान को बंद करना हिमाचल प्रदेश के साथ बड़ा अन्याय होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भाजपा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश सरकार का सहयोग करेगी और इस मुद्दे पर न्याय के लिए प्रदेशहित में आगे आएगी।

आयोजन

उपायुक्त ने बावा भूतनाथ मंदिर में भी पूजा अर्चना की

बाबा भूतनाथ मंदिर में पारंपरिक पूजा के साथ मंडी शिवरात्रि उत्सव का आगाज

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर उपायुक्त एवं अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव मंडी अपूर्व देवगन ने अपनी धर्मपत्नी श्वेता देवगन व गणमान्य लोगों के साथ राज देवता माधव राय के प्रांगण में पारम्परिक शिवरात्रि महायज्ञ में शामिल हुए। उन्होंने टारना स्थित मां श्यामा काली मंदिर में शीश नवाया तथा मंडी जनपद के आराध्य बड़ा देव कमरूनाग की पूजा-अर्चना की और जिलावासियों के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। उन्होंने देवता राज माधव राय के मंदिर में पूजा अर्चना की। उपायुक्त ने बावा भूतनाथ मंदिर में भी पूजा अर्चना की तथा हवन यज्ञ में भी शामिल हुए। वह राज माधव मंदिर से बाबा भूतनाथ के लिए निकली लघु जलेब में शामिल हुए। पुलिस की टुकड़ी, होमगार्ड बैंड और मंडी जनपद के राज देवताओं के साथ भूतनाथ मंदिर तक लघु जलेब के माध्यम से बाबा भूतनाथ को निमंत्रण दिया। इस अवसर पर नगर निगम महापौर वीरेंद्र भट्ट एवं पार्षदगण, सर्व देवता समाज समिति के प्रधान शिव पाल शर्मा व समिति के अन्य प्रतिनिधि, अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह ,अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. मदन कुमार, एसडीएम रूपिंदर कौर सहित अन्य अधिकारी तथा नगरवासी उपस्थित रहे।अपूर्व देवगन ने सभी लोगों को महा शिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए मंडी के अंतरराष्ट्रीय मेले में पधारने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि मंडी शिवरात्रि को हम विशेष तौर से देव संस्कृति और यहां की समृद्ध परंपराओं को प्रमुखता देते हुए मना रहे हैं। 16 फरवरी से 22 फरवरी तक के इस आयोजन में देवी-देवताओं, उनसे जुड़ी पवित्र परंपराओं और समृद्ध देव संस्कृति से आम जनता को जोड़ने पर खास जोर रहेगा । उपायुक्त ने कहा कि हमारा प्रयास है कि देव आस्था का यह महा समागम देव संस्कृति को और मजबूती देने में सहायक हो । युवा पीढ़ी का इससे जुड़ाव और गहरा हो। इसके लिए सभी परंपराओं का पूरी श्रद्धा से निर्वहन करते हुए इनमें जनता की भागीदारी तय बनाने पर खास ध्यान दिया गया है।

कला केंद्र जम्मू में दो दिवसीय पेंटिंग कैंप संपन्न, युवाओं ने कैनवास पर उकेरी अपनी कल्पनाएँ

जम्मू। जम्मू के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थान कला केंद्र जम्मू ने द आर्ट लैब्स कैनवस के सहयोग से बच्चों और विशेष रूप से किशोर युवाओं के लिए दो दिवसीय पेंटिंग कैंप का सफल आयोजन किया। यह कैंप कला केंद्र की प्रथम मंजिल स्थित आर्ट गैलरियों में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 50 शौकिया युवा कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैंप एवं प्रदर्शनी का डिजाइन और क्यूरेशन मृणालिनिका शर्मा और अनन्या बलोरिया द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान तैयार की गई पेंटिंग्स की प्रदर्शनी ने दर्शकों को प्रतिभागियों की रचनात्मक क्षमता से रूबरू कराया। प्रदर्शनी के अवसर पर कला केंद्र जम्मू के सचिव डॉ. जावेद राही ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस पहल को ह्लयुवाओं द्वारा युवाओं के लिएह्व बताया। उन्होंने कहा कि इस कैंप का उद्देश्य कला के क्षेत्र में नए प्रतिभागियों को मंच प्रदान करना और उन्हें रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करना है। अनन्या बलोरिया ने बताया कि कैंप का मुख्य उद्देश्य कैनवास पेंटिंग, स्केचिंग और क्राफ्ट जैसे विभिन्न माध्यमों के जरिए रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना था। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों को सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई ताकि वे एक सहयोगात्मक और आनंददायक वातावरण में अपने कौशल को निखार सकें। मृणालिनिका शर्मा ने बताया कि कार्यशाला में कैनवास पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया और एक ऐसा सृजनात्मक माहौल तैयार किया गया, जिससे शुरुआती कलाकार भी आत्मविश्वास के साथ अपनी कला को व्यक्त कर सकें।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में किसानों के आय में वृद्धि और फसलों में सुधार के परिणाम आए सामनेः श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण संवाददाता
पिहोवा

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में किसानों के आय में वृद्धि और फसलों में सुधार के परिणाम सामने आए हैं। सरकार के सहयोग से प्रदेश का किसान कड़ी मेहनत और सूझबूझ से खेती की परिभाषा बदल रहा हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय गतिविधियों के परिणाम स्वरूप कुरुक्षेत्र के किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ बागवानी को अपनाकर अपनी आय में दिन प्रतिदिन वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। आधुनिक तकनीक और प्रगति से जिला कुरुक्षेत्र के किसान उत्तम तकनीक के साथ खेती करने में पूरे प्रदेश का मार्गदर्शन कर रहा हैं। किसान वर्ग आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा गांव तलहेडी में एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार में बोल रहे थे। सेमिनार का उद्देश्य किसानों को बागवानी और प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में पहुंचने पर मंत्री श्याम सिंह राणा का जिला बागवानी अधिकारी शिवेंदु प्रताप सोलंकी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि संरक्षित खेती में नेट हाउस के माध्यम से प्रतिकूल मौसम में भी किसान वर्ग सब्जियों का भरपूर उत्पादन कर रहे हैं। फलों की खेती में अमरूद, नाशपाती और मशरूम की यूनिट लगाकर नए आयाम स्थापित कर किसान एक सफल उद्यमी बन रहें है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार की नीतियां कागजों से निकलकर सीधे किसानों के खेतों तक पहुंच रही हैं। बागवानी विभाग के माध्यम से अनुदान सहायता देकर किसानों की लागत कम में बचत को बढ़ाना है। बागवानी को अपनाना केवल खेती बदलना नहीं बल्कि अपने जीवन स्तर को बदलना हैं। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करना होगा। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए बागवानी विभाग के माध्यम से विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है। बागवानी विधि कारण, हरियाणा मधुमक्खी पालन नीति 2021, जल तालाब, वर्टिकल और संरक्षित खेती, भावांतर भरपाई योजना, मधुमक्खी बागवानी बीमा योजना, मशरूम उत्पादन, बागवानी मशीनीकरण, कोल्ड स्टोरेज, पैक हाउस व प्याज भंडार, कीटनाशक अवशेष प्रयोगशालाएं, किसान उत्पादक समूह एफपीओ, फसल समूह विकास कार्यक्रम, उत्कृष्ट केदों के स्थापना हरियाणा सरकार द्वारा दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि इस दौरान नेचुरल फार्मिंग न सिर्फ किसानों के लिए बल्कि खेती की जमीन के लिए अच्छी होती है। नेचुरल फार्मिंग करने से किसान का केमिकल और फर्टिलाइजर पर पैसे खर्च नहीं करने पड़ते। नेचुरल फार्मिंग के तरीके से खेती करने पर जो उपज होती है, उसके सब्जी मंडियों में काफी अच्छे दाम मिल जाते हैं। किसान को कम लागत पर अच्छा मुनाफा मिलता है जो उनकी आय में वृद्धि करता है। प्राकृतिक खेती से मृदा स्वास्थ्य में सुधार होता है। प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र बहाल होता है। किसानों की बाहरी बाजार पर निर्भरता कम होती है। जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक लचीलापन मिलता है और सबसे बढकर हमारी भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और फल सब्जियां स्वस्थ भोजन और पर्यावरण मिलता है।

39 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला में अवॉर्ड पाकर प्रफुल्लित हुए शिल्पकार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रोफेसर असीम घोष ने शिल्पकारों का किया सम्मान
- शिल्प और परंपरा की अद्वितीय, अनूठी छटा बिखेरने के उपरांत 39वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला आज भव्य रूप से सम्पन्न

शिल्प और परंपरा की अद्वितीय और अनूठी छटा बिखेरने के उपरांत 39वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला आज भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। रविवार को 39 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला में हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो असीम घोष के हाथों अवार्ड पाकर शिल्पकार प्रफुल्लित हुए। इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रोफेसर असीम घोष की गरिमामयी उपस्थिति के साथ - साथ हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल, नगर निगम मेयर श्री प्रवीण जोशी भी इस समारोह में मौजूद रहे। पर्यटन मंत्री डा अरविंद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आज का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में शिल्पकार, बुनकरों को अपनी बेहतरीन कला प्रदर्शित करने के लिए सम्मानित किया गया।

यह हुए सम्मानितः परंपरागत श्रेणी के अंतर्गत तेलंगाना राज्य के शिल्पकार गड्डम बाला को उनके उत्कृष्ट इकट शिल्प के लिए चुना गया है। साथ ही 11000 रुपए की धन राशि का चेक प्रदान किया गया। कला रत्न श्रेणी में ओडिशा राज्य के प्रसिद्ध शिल्पकार दामोदर फतेह सिंह को पट्टचित्र कला में उत्कृष्ट योगदान के लिए चयनित किया गया है। साथ ही 11000 रुपए की धन राशि का चेक प्रदान किया गया। कला मणि श्रेणी के अंतर्गत कुल आठ शिल्पकारों का चयन किया गया है। इसमें उत्तर प्रदेश के सलाउद्दीन को चिकनकारी कला, आंध्र प्रदेश के करुपथि राजावरी कुमार को कलमकारी, उत्तर प्रदेश के इरफान अली को मार्बल इनले, राजस्थान के लक्ष्मी लाल कुम्हार को मोलेला कला, हिमाचल प्रदेश के ओम प्रकाश मल्होत्रा को कुल्लू शॉल, बिहार की उर्मिला देवी को मधुबनी पेंटिंग, आंध्र प्रदेश की शकुंतला को लकड़ी की नक्काशी तथा उत्तर प्रदेश के मोहम्मद कलीम को बनारसी साड़ी शिल्प के लिए सम्मानित किया जा रहा है। साथ ही सभी आठों शिल्पकारों को 11000 रुपए की धन राशि की घोषणा की गयी।

कला निधि श्रेणी में मेघालय के एह्लोनखोंगविर को केन-बांस शिल्प, मेघालय के ही रेलिवेंट को एरी सिल्क, तेलंगाना के के. रामू को कलमकारी , आंध्र प्रदेश के संतोष कुमार को लकड़ी के खिलौने, राजस्थान की चंदा देवी को लेदर फुटवियर तथा पश्चिम बंगाल के असित बरन जाना को मदुरकाठी शिल्प के लिए चयनित किया गया है। साथ ही सभी आठों शिल्पकारों को 5100 रुपए की धनराशि की घोषणा की गयी।

कला श्री श्रेणी के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की शिप्रा शर्मा को लिप्पन आर्ट, पश्चिम बंगाल की रीता सरकार को जूट शिल्प तथा दिल्ली की चारु अरोड़ा को ओरिगामी/पेपर क्राफ्ट के लिए सम्मानित किया जा रहा है। साथ ही तीनों शिल्पकारों को 2100 रुपए की घोषणा की गई।

धनपत सिंह सांगी स्मृति में आगामी 23 से 27 तक कुरुक्षेत्र में आयोजित होगा सांग महोत्सव-2026

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- सांग महोत्सव हरियाणा का एक प्रमुख पारंपरिक लोकनाट्य उत्सव : केएम पांडुरंग

पारंपरिक लोकनाट्य विधा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आगामी 23 से 27 फरवरी को कुरुक्षेत्र स्थित हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में तीन दिवसीय सांग महोत्सव - 2026 का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा के प्रसिद्ध सांगी धनपत सिंह के हरियाणा लोक संस्कृति में अमूल्य योगदान को ध्यान में रखते हुए इस महोत्सव के दौरान धनपत सिंह सांगी पुरस्कार की घोषणा की जाएगी। हरियाणा के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के महानिदेशक श्री केएम पांडुरंग ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सांग महोत्सव हरियाणा का एक प्रमुख पारंपरिक लोकनाट्य उत्सव है, जो सांगी (कलाकारों) द्वारा संगीत, नृत्य और लोककथाओं के माध्यम से सामाजिक नैतिकता और पौराणिक कहानियों का मंचन करता है। उन्होंने कहा कि इस सांग महोत्सव में प्रस्तुत किए गए नाटक आमतौर पर बुराई पर अच्छाई की जीत पर आधारित होते हैं, जिनमें पौराणिक कथाएं जैसे प्रह्लाद भगत, राजा हरिश्चंद्र, ऐतिहासिक गाथाएं और सामाजिक मुद्दों जैसे महिला सशक्तिकरण को शामिल किया जाता है। हरियाणा संस्कृति को जीवंत रखे हुए सांग पार्टियां इस महोत्सव में भाग लेंगी और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का कार्य करेंगी। महोत्सव तीनों दिन सुबह 10 बजे से सायं के 6 बजे तक आयोजित किया होगा। इस अवसर पर नगाड़ा वादन, लोकगायन और सांग प्रस्तुतियां दी जाएँगी।

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत विजन का जीवंत उदाहरणः राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन का मजबूत व जीवंत उदाहरण है। यह लोकल से ग्लोबल - आत्मनिर्भर भारत के मंत्र से प्रेरित है। सूरजकुंड मेला एक वाइब्रेंट प्लेटफार्म के तौर पर उभर रहा है। यह संस्कृति और परंपरा की ऐसी झांकी है जहाँ ट्रेडिशन और नवाचार मिलकर कार्य करते हैं। माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष रविवार को 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव के समापन अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मेले से ही लोकल शिल्पकारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्लोबल पहचान मिली है और प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में सजग है। इससे पहले माननीय राज्यपाल व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष ने सहकारिता, पर्यटन एवं विरासत मंत्री डा. अरविंद कुमार शर्मा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल, मेयर प्रवीण बत्रा जोशी के साथ मेले का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान सभी मेहमानों का आपणा घर पर हरियाणवी पगड़ी से स्वागत किया गया। इस बीच माननीय राज्यपाल ने कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिल्पकारों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया।

सूरजकुंड शिल्प मेला को भारतीय सभ्यता और संस्कृति विरासत तथा आत्मनिर्भरता की सामूहिक इच्छा को खूबसूरती से प्रदर्शित करने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि यह मेला विविधता में एकता की भावना को बल दे रहा है। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया भर के कारीगरों, बुनकरों और लोक कलाकारों के कौशल, दृढ़ निश्चय व रचनात्मकता की झलक मेले में दिखाई दी है। हरियाणा के राज्यपाल ने कहा कि मेले में मिस्र ने चौथी बार पार्टनर नेशन के तौर पर हिस्सा लिया है, जिससे हमारे सांझा संस्कृति और सभ्यता के संबंधों को मजबूती मिली है। वहीं इस बार मेले में थीम स्टेट उत्तर प्रदेश और मेघालय ने भी अपनी वाइब्रेंट लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित कर मेले को बेहतर बनाया है। मेले में 50 से ज्यादा देशों के लगभग 800 कलाकारों और कारीगरों ने हिस्सा लेकर पिछले वर्षों की तुलना में मेले के बढ़ते ग्लोबल रुतबे को मजबूती प्रदान की है। यह मेला पारंपरिक शिल्प के संरक्षण को लेकर अंतरराष्ट्रीय संस्कृति सहयोग को बढ़ावा देने में सहायक है। उन्होंने कहा कि सूरजकुंड मेला दुनिया के संस्कृति और पर्यटन के नक्शे पर अपनी गहरी छाप छोड़ता रहेगा। उन्होंने देश के शिल्पकारों से आह्वान किया कि वे भारतीय कला, संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में अपना योगदान दें।

संक्षिप्त-समाचार

अग्निवीर स्कीम के अंतर्गत वर्ष 2027 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया आरंभ

चंडीगढ़। भारतीय सेना में अग्निवीर स्कीम के तहत वर्ष 2027 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। हरियाणा के छह जिलों अम्बाला, कैथल, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकूला और केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के पुरुष अभ्यर्थियों तथा दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल एवं चंडीगढ़ की महिला अभ्यार्थियों के लिए पंजीकरण 13 फरवरी, 2026 से 01 अप्रैल, 2026 तक होगा। सभी योग्य अभ्यर्थी वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया पुरुष वर्ग में अग्निवीर (सामान्य कर्तव्य), अग्निवीर (तकनीकी), अग्निवीर (लिपिक/स्टोर कीपर तकनीकी) और अग्निवीर ट्रेड्समैन दसवीं और आठवीं पास तथा महिला वर्ग में महिला मिलिट्री पुलिस के लिए आयोजित की जा रही है। इस वर्ष से अग्निवीर में भर्ती के लिए पुरुष और महिला अभ्यर्थियों का अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 21 वर्ष से 22 वर्ष कर दिया गया है। अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में पहले चरण में ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन परीक्षा की संभावित तारीख 1 जून से 15 जून 2026 है। यदि परीक्षा की तिथि में कोई बदलाव होता है तो उसकी सूचना वेबसाइट पर जारी की जाएगी। दूसरे चरण में ऑनलाइन परीक्षा में मेरिट में चयनित अभ्यर्थियों को भर्ती रैली में शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा।

बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थी तनाव न लेंः ढांडा

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने आगामी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर कहा कि बोर्ड परीक्षाएं केवल पुस्तकों से अर्जित ज्ञान का आकलन नहीं हैं, बल्कि यह विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, परिश्रम, अनुशासन और साहस की भी सच्ची परीक्षा होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष अपने अध्यापकों के मार्गदर्शन में निरंतर मेहनत और समर्पण के साथ अध्ययन किया है और अब समय है अपनी तैयारी तथा क्षमता पर पूर्ण विश्वास रखने का। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षा के दौरान शांत, संयमित और धैर्यवान रहने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार की घबराहट या तनाव को मन पर हावी न होने दें। सकारात्मक सोच बनाए रखें और आत्मविश्वास के साथ प्रत्येक प्रश्नपत्र का सामना करें। यदि कोई प्रश्न कठिन लगे तो घबराने के बजाय पहले सरल प्रश्नों को हल करें और फिर शेष प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित करें। शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों को पर्याप्त विश्राम लेने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार ग्रहण करने तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और शांत मन ही सफलता की कुंजी हैं। परीक्षा के दिनों में समय का सदुपयोग करें और पूरी ईमानदारी तथा निष्ठा के साथ प्रयास करें। उन्होंने कहा कि असफलता के भय को मन में स्थान न दें, क्योंकि सच्ची सफलता निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास से ही प्राप्त होती है। प्रत्येक परीक्षा जीवन की एक सीढ़ी है, जो आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है।

रेवाड़ी की चहक यादव ने प्रतिभा और मेहनत के बल पर जीता रजत पदक

चंडीगढ़। नई दिल्ली स्थित डा. करनी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित एशियन राइफल/शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में रेवाड़ी जिले की चहक यादव ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। रेवाड़ी के पी एम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की बारहवीं कक्षा की छात्रा सुश्री चहक यादव ने 10 मीटर ऐयर पिस्टल यूथ महिला वर्ग में 600 में से 574 अंक हांसिल कर रजत पदक और भारतीय टीम की प्रतिभागी के रूप में यह स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस उपलब्धि से चहक यादव ने ना केवल अपने जिला रेवाड़ी अपितु हरियाणा व देश का नाम रोशन किया है। चहक यादव हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत सुनील कुमार की पुत्री है। डा. करनी सिंह शूटिंग रेंज नई दिल्ली में आयोजित एशियन राइफल/शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में एशिया महाद्वीप के 20 देशों के लगभग 300 खिलाड़ियों ने अलग-अलग वर्गों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह जानकारी चहक यादव के कोच श्री रमन राव ने दी। उन्होंने बताया कि चहक यादव बारह वर्ष की आयु से उनकी शूटिंग स्पोर्ट्स अकेडमी में शूटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

मुख्यमंत्री ने दी नूंह जिला को अनेक सौगातें

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को जिला नूंह में अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने विकास रैली को भी संबोधित किया। रविवार को नूंह जिला के तावडू स्थित अनाजमंडी में विकसित सोहना-तावडू विकास रैली का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री ने जिला नूंह व सोहना विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया । मुख्यमंत्री ने 47 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया जिससे शिक्षा, खेल सहित अन्य आधारभूत ढांचे से संबंधित विकास को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने 25 करोड़ 58 लाख रुपए की पांच विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिसमें एमडीए की 2 करोड़ 62 लाख रुपये से 10 गांवों में पुस्तकालयों के निर्माण, नूंह में करीब 15 करोड़ 46 लाख रुपए से बनने वाली जिला लाइब्रेरी कम एक्सीलेंस सेंटर तथा करीब 2 करोड़ 25 लाख रुपये से बनने वाले सीईओ एमडीए के रेजिडेंस, एम3एम के करीब 2 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले मकबरा परिसर संक्षरण तथा 3 करोड़ रुपये की लागत से गांव झामुवास में स्टेडियम के पुनर्विकास के कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने 21 करोड़ 27 लाख की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया जिस में एमडीए की ओर से करीब एक करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से जिला के करीब 25 सरकारी स्कूलों में बनाए खेल मैदान, अरावली संरक्षित वन क्षेत्र में करीब एक करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से बने तीन अर्थन डैम/वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं एवं सात क्रेट वायर संरचना, 4 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से तैयार जिला के 40 सरकारी स्कूलों व 17 पीएचसी व 6 सीएचसी में हाइब्रिड सोलर पावर प्लांट आदि की घोषणा की।

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला जारी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा थानेसर की दर्रा खेड़ा पंचायती धर्मशाला सभा में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला चलाई जा रही है। इसी क्रम में 14वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 16 फरवरी को थानेसर विधानसभा में आयोजित होगा ।

यह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर थानेसर की दर्रा खेड़ा पंचायती धर्मशाला सभा में आयोजित होगा। शिविर में नेत्र परीक्षण एवं उपचार, दंत परीक्षण एवं उपचार, स्त्री रोग जांच एवं परामर्श, स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग, मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य जांच तथा किशोरी दीदी वैन के माध्यम से एनीमिया जांच एवं परामर्श जैसी सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाएंगी।

जिन्दल हाउस कुरुक्षेत्र पर, इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर की तैयारियों का जायजा लेने के बाद सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का विजन स्वस्थ कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का है ताकि स्वस्थ कुरुक्षेत्र विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान दे सके। उनका सपना है कि क्षेत्र का कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लोगों को समय पर जांच, परामर्श, उपचार और आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में तीन मोबाइल मेडिकल वैन नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं, जो जरूरतमंद लोगों को उनके घर के पास ही चिकित्सा सहायता प्रदान कर रही हैं। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र सशक्तिकरण अभियान के तहत इन सेवाओं को और अधिक व्यापक और प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की। इस अवसर पर थानेसर हल्का प्रभारी बलबिंद्र सिंह, शाहाबाद हल्का प्रभारी अजैब सिंह, राजेंद्र राजपूत और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विकसित सोहना-तावडू विकास रैली में मुख्यमंत्री ने की कई घोषणाएं

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विकसित सोहना-तावडू विकास रैली में कई अहम घोषणाएं भी की है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि सोहना में हरियाणा राज्य परिवहन का सब डिपो बनाया जाएगा। इसके अलावा तावडू शहर और सोहना में बाईपास भी बनाया जाएगा। सोहना तावडू से सोहना तावडू से सोहना पलवल की डीपीआर सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय को भिजवा रखी है, इस पर जल्द काम शुरू होगा। उन्होंने सोहना विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यो के लिए 5 करोड रुपये दिए जाने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम सोहना एलिवेटेड एक्सप्रेस वे को दमदमा मोड से बढ़ाकर निरंकारी कॉलेज तक करने की विस्तृत रिपोर्ट भी संबंधित विभाग को भेजने और स्वीकृति आने पर इसे बनवाने की घोषणा की। साथ ही मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोहना में जमीन उपलब्ध होने पर पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस बनाने, सोहना के बाघनकी गांव में प्राइमरी हेल्थ सेंटर बनाने तथा घामड़ौज तथा खोरी कलां गांव में सब हेल्थ सेंटर बनाने की घोषणा भी की। उन्होंने तावडू के हसनपुर में सामुदायिक केंद्र, सोहना के सहजावास, रिठौज में 65–65 लागत से सामुदायिक केंद्र बनाने की भी घोषणा की भी।

मुख्यमंत्री ने तावडू के कौटा खेंडला के खेल स्टेडियम में इनडोर कुश्ती मैदान बनवाने का भी ऐलान किया। इसके अलावा भूमि उपलब्ध करवाने पर तावडू में नया बस स्टैंड बनाने, जमीन उपलब्ध करवाने पर सोहना में नई अनाज मंडी बनवाने का भी ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने सोहना विधानसभा क्षेत्र की 41.94 किलोमीटर की 31 सड़के और पीडब्ल्यूडी की 407 किलोमीटर की डीएलपी अवधि की सड़कें आवश्यकतानुसार एजेंसी से दुरुस्त करवाने की बात कहीं।

हरियाणा ने एनसीआर में 53 करोड़ रुपये के राषि से खाद्य एवं औषधि सुरक्षा अवसरंचना बढाई

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में खाद्य एवं औषधि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने एवं नियमित रूप से असवसरंचना को बेहतर बनाने के लिए 53.21 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इनमें 28 मोबाइल खाद्य टेस्टिंग लैबोरेटरी वैन लगाना और करनाल में जिला खाद्य लैबोरेटरी को मॉडर्न बनाना शामिल है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह पहल नागरिकों के लिए तेज, साइंटिफिक और आसानी से मिलने वाली खाद्य टेस्टिंग सर्विस को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि करनाल में जिला खाद्य टेस्टिंग लैबोरेटरी को राज्य बजट से 90.29 लाख रुपये और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया से 50 लाख रुपये के अतिरिक्त बजट से बड़े स्तर पर नवीनीकरण किया जा रहा है। इसमें लैबोरेटरी की क्षमता को मजबूत करने के लिए 10.50 लाख रुपये की लागत से 47 मॉडर्न लैबोरेटरी उपकरण षामिल किये गये है। हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के माध्यम से 4.63 करोड़ रुपये के उपकरण खरीदे जा रहे हैं और इसकी टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके अलावा, करनाल लैबोरेटरी को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया से 3.96 करोड़ रुपये की लागत से एक डेडिकेटेड माइक्रोबायोलॉजी सेक्शन के साथ अपग्रेड किया गया है,

उन्होंने बताया कि एनसीआरपीबी चंडीगढ़ में नई दिल्ली से उपलब्ध राषि से 4.44 करोड़ रुपये की लागत से एक माइक्रोबायोलॉजी लैब बनाने का काम चल रहा है और यह कार्य 80 प्रतिषत पूरा हो चुका है, जो मार्च 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा। सेंट्रल-स्टेट शेयर ग्रांट से 10.45 करोड़ रुपये चंडीगढ़ में फूड लैब के नवीनीकरण का काम पूरा हो गया है और लैबोरेटरी को तीन हाई-एंड इक्विपमेंट के साथ अपग्रेड किया गया है। हरियाणा में चंडीगढ़ और करनाल में दो नोटिफाइड फूड टेस्टिंग लैब हैं, दोनों फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट और, 2006 के सेक्शन 43(1) के तहत एनएबीएल व से एफएसएसएआई से मान्यता प्राप्त हैं। राज्य को दूध और डेयरी उत्पादन को खाने का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं और हरियाणा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा हब है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि पूरे राज्य में हाई-क्वालिटी फूड स्टैंडर्ड्स को मजबूत करने के लिए अलग-अलग फेज में आठ स्टेट.ऑफ.द.आर्ट फूड टेस्टिंग लैब्स बनाई जाएंगी।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि हाइजीनिक स्ट्रीट फूड कल्चर को बढ़ावा देने के लिए अंबाला, करनाल, हिसार और गुरुग्राम को स्वच्छ गली खाद्य हब फूड के लिए चुना गया है। अंबाला के गांधी ग्राउंड अंबाला कैंट में 60 दुकानों वाला स्ट्रीट फूड हब बनाया जा रहा है, और यह फरवरी 2026 तक पूरा हो जाएगा। हिसार में लगभग 60 प्रतिषत काम पूरा कर लिया है और इस प्रोजेक्ट को चालू वित वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। करनाल के विश्वकर्मा चौक पर वेस्टर्न यमुना कैनाल के पास जमीन की पहचान कर ली गई है और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई है, जिसे 2026-27 तक पूरा करने का लक्ष्य है। गुरुग्राम में प्रोजेक्ट टेंडरिंग प्रक्रिया जारी है।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान की गई पाँच मोबाइल फूड टेस्टिंग लैबोरेटरी वैन पहले से ही जिलों में चल रही हैं, जो मामूली 20 रुपए प्रति सैंपल पर मौके पर ही फूड टेस्टिंग की सुविधा प्रदान कर रही हैं। एनसीआर इलाकों में 28 नई वैन जुड़ने से बाहरी नागरिकों की पहुँच काफी बढ़ेगी।

डॉ. मिश्रा ने बताया गया कि 2025 में स्टेट ड्रग्स लेबोरेटरी को मजबूती से लागू करने पर भी बल दिया गया। 1 जनवरी से 31 दिसंबर, 2025 के बीच, 6,266 दवा के सैंपल लिए और 5,063 का विषलेषण किया गया, जो बेहतर निपटान क्षमता को दिखाता है। विभाग ने 14,910 दवा सेल यूनिट्स का इंस्पेक्शन किया और 764 लाइसेंस सस्पेंड किए, जबकि सजा के तौर पर कार्रवाई के बाद 80 लाइसेंस रद्द कर दिए गए। कुल 4,916 नमूने में 3,417 टैस्ट किए जिनमें से 11 को सब-स्टैंडर्ड पाए गए।

विभागीय कार्यवाई के दौरान 315 संयुक्त रेड कर 593 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की जांच की गई। इसमें पांच मैन्युफैक्चरिंग या ब्लड सेंटर लाइसेंस निलम्बित किए गए जबकि दवाएं, मेडिकल डिवाइस और कॉस्मेटिक्स के 52 नए मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस दिए गए। सात यूनिट्स को विष्व स्वास्थ्य संगठन और जीएमपी स्टैंडर्ड्स पर अपग्रेड किया गया, जिससे हरियाणा का फार्मास्युटिकल कम्प्लायंस फ्रेमवर्क मजबूत हुआ। साल के दौरान कोर्ट में 56 केस चलाए गए जिनमें 15 मामलों में से आठ में सजा हुई। विभाग द्वारा दवा की ज्यादा कीमत के 33 मामलों में सुधार और रोकथाम की जरूरतों का पालन न करने के कारण 68 उत्पादन की अनुमति निलम्बित कर दी गई।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि लैबोरेटरी मॉडर्नाइजेशन, मोबाइल टेस्टिंग, सख्त एनफोर्समेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने का मिलजुल कर कार्य करना हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग की सुरक्षा और उपभोक्ता के प्रति विष्वास को दिखाता है। उन्होंने कहा कि एडवांस्ड टेस्टिंग सुविधाएं, बढ़ी हुई मोबाइल आउटरीच और मजबूत रेगुलेटरी निगरानी के साथ हम यह सुरक्षित खाना और अच्छी क्वालिटी की दवाएँ हर घर तक पहुँचें सुनिष्चित कर रहे हैं।

संपादकीय

नई दिल्ली में एआई का महासंगमः विश्व के शीर्ष सीईओ और राष्ट्राध्यक्ष एक मंच पर

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत की राजधानी नई दिल्ली एक बार फिर तकनीकी और नीतिगत विमर्श के केंद्र में है। भारत मंडपम में आयोजित होने जा रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि उस व्यापक रणनीतिक दृष्टि का संकेत है जिसके माध्यम से भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था और उभरती तकनीकों में नेतृत्व की भूमिका को मजबूत करना चाहता है। 16 से 20 फरवरी तक चलने वाला यह आयोजन नीति, उद्योग, शोध और नवाचार जगत के प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाने का प्रयास है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ जोड़ने पर चर्चा होगी। यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय आयोजित हो रहा है जब एआई तकनीक वैश्विक प्रतिस्पर्धा, आर्थिक निवेश और कूटनीतिक सहयोग का प्रमुख माध्यम बन चुकी है। सरकार और उद्योग जगत इसे भारत की तकनीकी क्षमता, प्रतिभा और बाजार संभावनाओं को प्रदर्शित करने का अवसर मान रहे हैं। अनुमान है कि इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी होगी और यह मंच वैश्विक सहयोग को नए आयाम देगा। एआई अब केवल प्रयोगशाला आधारित शोध का विषय नहीं रह गया है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, वित्त, प्रशासन और रक्षा जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत इसे आर्थिक विकास, उत्पादकता वृद्धि और रोजगार सृजन के अवसर के रूप में देख रहा है। यही कारण है कि डिजिटल इंडिया मिशन और उभरती तकनीकों को बढ़ावा देने वाली पहलों के साथ एआई को नीति प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया गया है। सम्मेलन में इस बात पर भी विमर्श होने की संभावना है कि एआई को जनहितकारी विकास से कैसे जोड़ा जाए। आयोजकों का लक्ष्य इसे व्यावहारिक प्रभाव और ठोस परिणामों की दिशा में आगे बढ़ाना है, जिससे तकनीक नीति और समाज दोनों के लिए उपयोगी बन सके। इस आयोजन का आकर्षण केवल विषयवस्तु ही नहीं बल्कि इसमें शामिल होने वाले वैश्विक नेताओं और तकनीकी हस्तियों की लंबी सूची भी है। उद्घाटन कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाना तय है, जिसके साथ ही पाँच दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत होगी। विदेशी नेताओं की बात करें तो विभिन्न देशों के शीर्ष प्रतिनिधि इसमें भाग लेने वाले हैं, जिनमें भूटान के प्रधानमंत्री, ब्राजील के राष्ट्रपति, फ्रांस के राष्ट्रपति, फि नलैंड के प्रधानमंत्री, ग्रीस के प्रधानमंत्री, कजाखस्तान के प्रधानमंत्री, मॉरीशस के प्रधानमंत्री और एस्टोनिया के राष्ट्रपति सहित कई अन्य राष्ट्र प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल बताए जा रहे हैं। तकनीकी क्षेत्र से भी वैश्विक दिग्गजों की उपस्थिति इस सम्मेलन को विशेष बनाती है। गूगल के सुंदर पिचाई, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, एनवीडिया के जेनसेन हुआंग, माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े बिल गेट्स, एडोबी के शांतनु नारायण, क्वालकॉम के क्रिस्टियानो एमोन, एक्सेंचर की जूली स्वीट, पालो ऑल्टो नेटवर्क्स के निकेश अरोड़ा और एआई शोध जगत से डेमिस हसाबिस, डारियो अमोडेई तथा आर्थर मेंश जैसे प्रमुख नामों की भागीदारी की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही भारतीय उद्योग जगत से मुकेश अंबानी, एन. चंद्रशेखरन, नंदन निलेकणी, सुनील भारती मित्तल, के. कृतिवासन, सलील पारेख और रोशनी नादर मल्होत्रा जैसे कॉरपोरेट नेतृत्व भी इस वैश्विक मंच का हिस्सा बनने वाले हैं, जिससे उद्योग-नीति संवाद को बल मिलने की उम्मीद है। यह आयोजन केवल विमर्श तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निवेश और साझेदारी के नए अवसर भी सामने ला सकता है। अनुमान है कि सम्मेलन के दौरान भारी निवेश प्रतिबद्धताओं की संभावना है और यह वैश्विक तकनीकी सहयोग को नई गति देगा। एक्सपो और प्रदर्शनी खंड में सैकड़ों स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थान और वैश्विक कंपनियाँ अपने समाधान प्रदर्शित करेंगी, जिससे नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलेगा और भारत की तकनीकी प्रतिभा को वैश्विक मंच मिलेगा। एआई विस्तार के साथ शिक्षा और कौशल विकास का प्रश्न भी महत्वपूर्ण बन गया है। सम्मेलन में वैश्विक विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और प्रशिक्षण संगठनों की भागीदारी से पाठ्यक्रम विकास, कौशल उन्नयन और अनुसंधान सहयोग के नए मॉडल पर चर्चा संभव है। युवा पेशेवरों और छात्रों के लिए यह आयोजन भविष्य के करियर अवसरों को समझने और उद्योग-शिक्षा साझेदारी के नए आयाम तलाशने का मंच प्रदान कर सकता है।एआई की संभावनाओं के साथ इसके जोखिम भी जुड़े हैं। डेटा सुरक्षा, एल्गोरिदमिक पारदर्शिता और नियमन जैसे विषय वैश्विक बहस के केंद्र में हैं। सम्मेलन में इन मुद्दों पर चर्चा से नीति-निर्माण के लिए दिशा मिल सकती है और तकनीकी विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाने की कोशिश होगी।समग्र रूप से देखा जाए तो नई दिल्ली में आयोजित यह सम्मेलन भारत के डिजिटल भविष्य की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण क्षण बन सकता है। वैश्विक नेताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और उद्योग जगत की भागीदारी इसे अंतरराष्ट्रीय महत्व प्रदान करती है। यदि इस मंच से निकले विचार और साझेदारियाँ ठोस नीतिगत तथा औद्योगिक पहल में बदलती हैं, तो यह आयोजन भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वैश्विक मानचित्र पर और अधिक सशक्त स्थान दिलाने की दिशा में निर्णायक साबित हो सकता है।

बम भोले की बम-बम

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

हम भारत के लोग देवों को भी धरती पर बुलाते रहते हैं। ईश्वर भी धर्म संस्थापना के लिए अवतार लेते हैं। भारत देवभूमि है। भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। जहां-जहां आभा, प्रभा, सुभा और दिव्यता वहां-वहां देवता। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। भारत के कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। वे इसी क्षेत्र को शिव उपासना का मूल केन्द्र बताने की गलती करते हैं। मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है 'वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।'

शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर ने शर शैय्या पर लेटे भीष्म से तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, 'शिव गुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। ब्रह्मा, विष्णु और इन्द्र के सृष्टा हैं। वे प्रकृति से परे और पुरूष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, 'रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत को व्याप्त किया है।' संप्रति महाशिवरात्रि उत्सवों में भारत सहित एशिया के बड़े भूभाग में बम भोले की बम-बम है।

शिव भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। गण देवता गणेश स्वाभाविक ही उनके पुत्र हैं। सत्य आराध्य है। लेकिन शिव सत्य आनंददाता हैं। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव अखिल ब्रह्म की ऊर्जा हैं। इस ऊर्जा प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने बहुत भड़काया- 'पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हाथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?' शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा 'संसार के सारे रूप शिव के ही हैं- विश्वकूतेर्खाधार्यते वपु।' शिव ही सभी रूपों में प्रकट होकर रूप-रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में जब तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले 'अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती- तवस्मि दासः।' मन करता है कि प्रश्न पूछूं शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन अपना प्रश्न वापस भी लेता हूं। शिव तप का पुरूस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।

सुनता आया हूं कि शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। वैदिक ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां-औषधियां उगती हैं, खिलती हैं, खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। सोमवार को शिव आराधन की मुहूर्त जाना गया है। ठीक भी है। हमारे समाज में भी प्रतिष्ठित लोग सप्ताह में एक दिन खुलकर मिलते हैं, बाकी दिन व्यस्त रहते हैं। शिवभक्तों को सोमवार और शिवरात्रि प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। नहीं जानता सच। काशी बहुत जाता हूं लेकिन मंदिर दर्शन बहुत पहले एक बार ही हुआ। मैंने समूची काशी में शिव चैतन्य पाया है। मैं कर्मकाण्डी हूं नहीं। योग, तप से परिचित नहीं लेकिन भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए देवों के देव महादेव को नमस्कार करता हूं।

शिव सभी कालों में हैं। काल के परे भी हैं लेकिन भारत के मन में वे पार्वती के साथ हैं। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दायीं आंख में ही काजल लगाया था, वह बाईं आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती-शिव जगत के माता-पिता हैं। विवाह के बाद सभी देवों ने शुभकामनाएं दीं।'

कालिदास जैसे प्रत्यक्षदशः बराती थे-शिव बारात के। उनकी अनुभूति में भारत का मन-दर्पण प्रकट हुआ है। सूरदास भी श्रीकृष्ण की बरात में गाना चाहते थे-सूरदास होई कुटिल बराती गीत सुमंगल गइहौं। अजब अंतर्विरोध, सुमंगल गीत लेकिन कुटिल बराती। हम शिव भक्त कांवड़ियों को दूर से ही देखते आए हैं। हम भी शिवार्चन उत्सवों में कुटिल आस्तिक की तरह दूर से सम्मिलित होते रहे हैं। मन को वात्सल्य रस देने वाली सई नदी हमारे गांव के पास ही शिव सीढ़ी का जलाभिषेक करती है। यहां भवरेश्वर शिव मंदिर में शिवरात्रि और सावन के सोमवारों में लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। लोकमन हर-हर महादेव हो जाता है।

भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरा-पूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरितमानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना, सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे प्रतिपल यत्र तत्र सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। सोम और चन्द्र पर्यायवाची हैं। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दायां नेत्र है और बायां चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं। सूर्य की अपनी प्रिय राशि सिंह है। चन्द्र की कर्क है। सूर्य इस यात्रा में कर्क से सिंह क्षेत्र में पहुंचते हैं। तब शिवार्चन की शुभ मुहूर्त बनती है। ऐसी संक्रांति सावन मास में पड़ती है। सो शिव को सावन प्रिय है। श्रीकृष्ण को बसंत ऋतु प्रिय है और मार्गशीर्ष-अगहन का मास। लेकिन शिव की बात निराली है। ऋतुराज बसंत में पृथ्वी और वायु का चरम आनंद है। बसंत हहराता है तब क्षिति, जल, पावक और गगन समीर भी मधुरसा हो जाते हैं। शिवरात्रि आती है। वायु सुकुमार लज्जाशील नायिका की तरह बहती है।

मनुष्य सुगंध प्रिय है। ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त-मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्ता। श्रीकृष्ण के पास बांसुरी तो शिव के पास डमरू। बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकार हो जाते हैं। लेकिन यही रूद्र शिव हैं। ऋग्वेद में 'जो रूद्र है, वही शिव भी है।' त्रिशूल उनका हथियार।

सोचता हूं कि ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। लेकिन सोचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर बहुत गहरे तक धंसा हुआ है। कह सकता हूं कि मैं भी त्रिशूलधारी हूं। सोम सामने है, भीतर ओम है। सोम ओम की यारी पुरानी है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था त्र्यम्बक रूद्र को-हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो।' मैं भी डंठल से चिपका हुआ पका फल हूं। शिव निर्णय लें कि हमें कब संसार से मुक्त करना है? शिव को ओम् के साथ नमस्कार है-ओम नमः शिवाय।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

परिवहन और लॉजिस्टिक्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः भारत की भविष्य की गतिशीलता की मजबूत नींव

परिवहन और लॉजिस्टिक्स (आवागमन और माल ढुलाई) देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख इंजन हैं। हम जो भी सामान इस्तेमाल करते हैं, जो भी यात्रा करते हैं और जिन शहरों में रहते हैं, सब कुछ लोगों, सामान और सेवाओं की सुचारु आवाजाही पर निर्भर करता है।

लेकिन पूरी दुनिया में, और खास तौर पर भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देशों में, परिवहन व्यवस्था के सामने कई बड़ी चुनौतियाँ हैं, जैसे शहरों में जाम, सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी, ईंधन की बढ़ती कीमतें, प्रदूषण और जटिल होती सप्लाई चेन।

पुरानी योजना और काम करने की पारंपरिक पद्धतियाँ अब इतनी बड़ी और जटिल व्यवस्था को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

इसी स्थिति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस एक बड़ा बदलाव लाने वाली तकनीक बनकर सामने आए हैं, जो यह बदल रहे हैं कि परिवहन और लॉजिस्टिक्स सिस्टम कैसे बनाए जाएँ, कैसे चलाए जाएँ और कैसे बेहतर बनाए जाएँ।

एआई और डेटा साइंस से परिवहन में बड़ा बदलाव

आज की परिवहन व्यवस्था से बहुत बड़ी मात्रा में डेटा बनता है- जैसे ट्रैफिक सेंसर, जीपीएस वाले वाहन, इलेक्ट्रॉनिक टोल सिस्टम, टिकटिंग प्लेटफॉर्म, निगरानी कैमरे, मौसम की जानकारी और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क से। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस इस कच्चे और तेजी से आने वाले भारी डेटा को उपयोगी जानकारी में बदल देते हैं। इससे परिवहन सिस्टम पहले से अंदाजा लगाने वाला, हालात के अनुसार बदलने वाला और ज्यादा मजबूत बन जाता है।

यह बदलाव खास तौर पर भारत में साफ दिखाई देता है, जहाँ बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म और नई बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ यह तय कर रही हैं कि लोगों की आवाजाही और सामान की ढुलाई की योजना कैसे बनाई जाए और कैसे चलाई जाए।

शहरों और हाईवे पर यातायात में अब मशीन लर्निंग पर आधारित इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम ट्रैफिक और टोल संचालन का अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं। इसका एक प्रमुख उदाहरण है फास्टैग, जिससे राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल पूरी तरह डिजिटल हो गया है। इससे वाहनों की आवाजाही, ट्रैफिक की भीड़ और रास्तों के इस्तेमाल से जुड़ा रियल-टाइम डेटा मिलता है। यह डेटा जाम का विश्लेषण करने, ट्रैफिक को बेहतर तरीके से संभालने और सही आधार पर नई सड़क व ढांचा योजना बनाने में मदद करता है।

प्रो. मनोज चौधरी व डॉ. विपुल मिश्र

इसी तरह कई भारतीय शहरों में एआई आधारित ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम लगाए गए हैं, जो कैमरों और सेंसर से मिलने वाले लाइव डेटा के आधार पर सिग्नल का समय ठीक करते हैं, बेवजह रुकने का समय घटाते हैं और चौराहों की सुरक्षा बढ़ाते हैं।

लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) जैसे डेटा प्लेटफॉर्म एआई आधारित फैसलों की दिशा में बड़ा कदम हैं। यह प्लेटफॉर्म रेलवे, बंदरगाह, सड़क परिवहन और कस्टम्स का डेटा एक साथ जोड़कर भारत के लॉजिस्टिक्स सिस्टम की एक साझा डिजिटल रीढ़ तैयार करता है।

इस पर एआई और उन्नत विश्लेषण से मांग का अनुमान, बेहतर रूट चुनना और सप्लाई चेन में अटकाव वाले स्थानों की पहचान करना आसान होता है। ये सुविधाएँ खास तौर पर तब बहुत जरूरी हो जाती हैं, जब देश में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, गति शक्ति कार्गो टर्मिनल और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, ताकि लॉजिस्टिक्स लागत घटे और सप्लाई चेन ज्यादा भरोसेमंद बन सके।

नई बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ एआई और डेटा साइंस की भूमिका को और मजबूत बनाती हैं। उदाहरण के तौर पर चिनाब ब्रिज जैसी बड़ी परियोजनाओं में सुरक्षा और लंबे समय तक भरोसेमंद संचालन के लिए सेंसर से मिलने वाला डेटा, ढांचे की सेहत की निगरानी और पहले से अंदाजा लगाने वाली तकनीक का खूब इस्तेमाल किया जाता है। इसी तरह वंदे भारत ट्रेनों में बहुत तेजी से और बड़ी मात्रा में डेटा मिलता है, जिससे एआई समय-सारणी बेहतर बनाने, बिजली की खपत घटाने, यात्रियों की भीड़ को संभालने और रखरखाव की योजना बनाने में मदद करता है।

जैसे-जैसे भारत हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे डेटा के आधार पर नियंत्रण, रियल-टाइम निगरानी और पहले से मरम्मत की तैयारी करना बेहद जरूरी हो जाएगा, ताकि तेज रफ्तार में भी सुरक्षा, समय की पाबंदी और कामकाज की क्षमता बनी रहे।

रेलवे, विमानन और हाईवे, तीनों क्षेत्रों में एआई का सबसे असरदार उपयोग 'प्रीडिक्टिव मेंटेनेंस' यानी पहले से खराबी का अंदाजा लगाकर रखरखाव करना है। पटरी, ट्रेन के डिब्बे, सिग्नल सिस्टम, पुल और विमान के हिस्सों से मिले डेटा का विश्लेषण करके एआई शुरूआती स्तर पर ही खराबी के संकेत पहचान लेता है। इससे हादसों का खतरा कम होता है, सेवाओं में रुकावट कम होती है और बुनियादी ढांचे की कुल लागत भी काफी कम हो जाती है।

इन सभी उपयोगों को आगे बढ़ाने में कुछ सहायक तकनीकें भी बहुत महत्वपूर्ण हैं, जैसे निरीक्षण को अपने-आप करने के लिए कंप्यूटर विजन, जटिल परिवहन सिस्टम का डिजिटल मॉडल बनाने के लिए डिजिटल ट्विन, लगातार निगरानी के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स और रियल-टाइम डेटा विश्लेषण प्लेटफॉर्म।

ये सभी मिलकर परिवहन व्यवस्था को पुराने तरीके की बिखरी और समस्या आने के बाद कार्रवाई करने वाली प्रणाली से बदलकर, पहले से अनुमान लगाने वाली, आपस में जुड़ी हुई और समझदारी से चलने वाली प्रणाली बना रही हैं। यही बदलाव भारत के उस लक्ष्य का आधार है, जिसमें देश एक सुरक्षित, कुशल और दुनिया में प्रतिस्पर्धा करने वाला परिवहन और लॉजिस्टिक्स तंत्र बनाना चाहता है।

परिवहन और लॉजिस्टिक्स को विशेष एआई विशेषज्ञों की जरूरत क्यों है

भारत रेलवे, एक्सप्रेसवे, बंदरगाह, हवाई अड्डों और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क में बहुत बड़े स्तर पर निवेश कर रहा है।

इसके लिए ऐसे पेशेवरों की जरूरत है, जिन्हें अककी तकनीक भी आती हो और परिवहन व लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की वास्तविक सीमाओं और जरूरतों की समझ भी हो।

इस बदलाव के केंद्र में ऐसे नए तरह के इंजीनियरों की मांग है, जो केवल एल्गोरिदम और डेटा ही नहीं जानते हों, बल्कि परिवहन नेटवर्क, सामान की आवाजाही और बुनियादी ढांचा प्रणालियों के काम करने के तरीके को भी अच्छी तरह समझते हों।

इस राष्ट्रीय और वैश्विक जरूरत को पूरा करने के लिए गति शक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। इस विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य भारत के परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाएँ तैयार करना है। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जो केवल परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र पर केंद्रित है। इसका शिक्षा मॉडल सामान्य इंजीनियरिंग पढ़ाई से आगे जाकर व्यावहारिक तकनीक, मल्टीमॉडल परिवहन, लॉजिस्टिक्स की दक्षता और बड़े स्तर पर डेटा आधारित फैसलों पर जोर देता है।

इस विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी ताकत उद्योग और शिक्षा के बीच मजबूत जुड़ाव है। रेलवे, हाईवे, बंदरगाह, विमानन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के साथ लगातार संपर्क बना रहता है, जिससे पढ़ाई वास्तविक समस्याओं से जुड़ी रहती है। इससे छात्रों को असली डेटा, मौजूदा सिस्टम और नई तकनीकों के साथ काम करने का मौका मिलता है।नतीजा यह होता है कि छात्र पढ़ाई को सीधे व्यवहार में बदल पाते हैं और करियर की शुरूआत से ही सार्थक योगदान दे पाते हैं।

मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स का भविष्य गढ़ना

अब एआई और डेटा साइंस कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं रह गए हैं, बल्कि परिवहन और लॉजिस्टिक्स के भविष्य की बुनियाद बन चुके हैं। जैसे-जैसे भारत एकीकृत, तेज, कुशल और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे ऐसे कुशल लोगों की जरूरत और बढ़ेगी जो इन तकनीकों का सही इस्तेमाल कर सकें।

देश की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए गए विशेष और आधुनिक शैक्षणिक कार्यक्रमों के जरिए गति शक्ति विश्वविद्यालय इस बदलाव की अगली कतार में खड़ा है। यह विश्वविद्यालय ऐसे इंजीनियर तैयार कर रहा है जो आने वाले समय के परिवहन सिस्टम को डिजाइन करेंगे, बेहतर बनाएँगे और उसका नेतृत्व करेंगे। रूट प्लानिंग को बेहतर बनाना, राजस्व प्रबंधन और रखरखाव व सुरक्षा के लिए भविष्य का अनुमान लगाने वाली तकनीकों पर होने वाला उन्नत शोध, देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की मजबूत नींव बनेगा।

(लेखक, प्रो. मनोज चौधरी गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति और डॉ. विपुल मिश्र एसोसिएट प्रोफेसर हैं)

बांग्लादेश की बदली राजनीतिक दिशाः भारत के सामने अवसर और अनिश्चितताएँ

प्रियंका सौरभ (हि.स)

बांग्लादेश के हालिया आम चुनाव में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने तारिक रहमान के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। सत्रह वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद राजनीति में लौटे तारिक रहमान ने अपनी माँ और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी को दो-तिहाई से अधिक सीटें दिलाईं। यह जीत न केवल चुनावी सफलता है बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में सत्ता संतुलन के व्यापक पुनर्संयोजन और नए राजनीतिक दौर की शुरूआत का संकेत भी है। भारत के लिए यह परिणाम अवसरों के साथ-साथ कई रणनीतिक अनिश्चितताएँ भी लेकर आया है, जिनका प्रबंधन आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेगा।

पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय तक बांग्लादेश की राजनीति पर अवामी लीग और शेख हसीना का वर्चस्व रहा। इस अवधि में स्थिरता, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ सत्ता के केंद्रीकरण, विपक्ष के दमन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने के आरोप भी लगातार लगते रहे। लंबे समय तक एक ही राजनीतिक धारा के प्रभुत्व ने मतदाताओं में प्रशासनिक थकान और परिवर्तन की आकांक्षा को जन्म दिया। बीएनपी की जीत को इसी व्यापक जन-असंतोष और राजनीतिक विकल्प की तलाश के परिणाम के रूप में देखा जा सकता।

तारिक रहमान लंबे समय से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली किंतु विवादास्पद चेहरा रहे हैं। निर्वासन काल के दौरान उन पर भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कट्टरपंथी तत्वों से संबंधों जैसे आरोप लगे, जिनके कारण उनकी छवि धूमिल हुई। हालांकि दिसंबर 2025 में लंदन से स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने पार्टी संगठन का पुनर्गठन किया, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया और जमीनी स्तर पर जन आंदोलन को पुनर्जीवित किया। निर्वासन काल के अनुभवों को उन्होंने राजनीतिक पूंजी में बदला और बीएनपी को चुनावी रूप से पुनर्स्थापित किया। इस संदर्भ में यह जीत केवल पारिवारिक विरासत का विस्तार नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्संयोजन, संगठनात्मक अनुशासन और बदलते राजनीतिक यथार्थ को समझने की क्षमता की सफलता भी मानी जा रही है।

बीएनपी ने 13वें आम चुनाव में आर्थिक सुधार, भ्रष्टाचार उन्मूलन और अल्पसंख्यक सुरक्षा को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में प्रस्तुत किया। बेरोजगारी, महँगाई और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया। पार्टी ने अपनी पारंपरिक कट्टरपंथी छवि से दूरी बनाने का प्रयास किया और हिंदू समुदाय सहित सभी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह जनादेश इस बात को रेखांकित करता है कि लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक वर्चस्व और प्रशासनिक थकान के बाद मतदाताओं ने परिवर्तन को प्राथमिकता दी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्ता परिवर्तन ने यह भी संकेत दिया कि बांग्लादेशी समाज स्थिरता के साथ-साथ उत्तरदायी शासन की अपेक्षा रखता है।

भारत के दृष्टिकोण से बीएनपी की यह जीत मिश्रित संकेत देती है। ऐतिहासिक रूप से भारत के संबंध अवामी लीग सरकार के साथ अधिक सहज और स्थिर रहे हैं। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद-रोधी सहयोग और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में शेख हसीना सरकार ने भारत के साथ घनिष्ठ तालमेल रखा। इसके विपरीत, बीएनपी को लेकर नई दिल्ली में हमेशा संदेह बना रहा है, विशेषकर 2001-06 के शासनकाल के अनुभवों के कारण। हालांकि हाल के वर्षों में तारिक रहमान ने भारत के प्रति अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। चुनाव से पहले भारत द्वारा बीएनपी को अनौपचारिक रूप से 'ग्रीन सिग्नल' देना इसी बदलते दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह संकेत करता है कि भारत अब बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में किसी एक दल पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी संवाद की नीति अपनाने को तैयार है।

आर्थिक दृष्टि से बीएनपी सरकार भारत के लिए नए अवसर खोल सकती है। बांग्लादेश भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दक्षिण एशिया में भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का अहम स्तंभ भी। नई सरकार के कार्यकाल में द्विपक्षीय व्यापार के 20 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जलविद्युत सहयोग, सीमा व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिल सकती है। बांग्लादेश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारतीय निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है। अल्पसंख्यक हितों की रक्षा को लेकर बीएनपी की सार्वजनिक प्रतिबद्धता भारत की सामाजिक और राजनीतिक चिंताओं को कुछ हद तक कम करती है।

इसके बावजूद अनिश्चितताएँ बनी हुई हैं। बीएनपी पर कट्टरपंथी तत्वों के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगते रहे हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों की भूमिका को लेकर सतर्कता आवश्यक है। तारिक रहमान पर लगे पुराने भ्रष्टाचार आरोप, पाकिस्तान के साथ कथित संबंध और हालिया सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारतझ्रबांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ, तस्करी, मानव तस्करी और आतंकवाद से जुड़े जोखिम भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती तो द्विपक्षीय विश्वास प्रभावित हो सकता है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असर केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव व्यापक दक्षिण एशियाई भू-राजनीति पर भी पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान क्षेत्र में अपने प्रभाव को लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक होगा कि वह बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत रखे, ताकि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के प्रतिकूल न जाए। बहुपक्षीय मंचों और उप-क्षेत्रीय सहयोग पहलों के माध्यम से संवाद और सहयोग को सुदृढ़ किया जा सकता है।

ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए संतुलित और सक्रिय कूटनीति अपनाना अनिवार्य होगा। अवामी लीग के साथ पुराने संबंधों को बनाए रखते हुए बीएनपी सरकार के साथ संवाद स्थापित करना भारत के दीर्घकालिक हित में है। एकतरफा झुकाव के बजाय संस्थागत और बहुदलीय संपर्क भारत को अधिक रणनीतिक लचीलापन प्रदान करेगा। मानवाधिकार, अल्पसंख्यक सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के मुद्दों की भारत को न तो उपेक्षा करनी चाहिए और न ही अत्यधिक हस्तक्षेप करना चाहिए। विवेकपूर्ण संतुलन भारत की प्रभावशीलता को बनाए रख सकता है।

तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की यह जीत भारत के लिए न तो पूरी तरह जोखिमपूर्ण है और न ही पूर्णतः अवसर-प्रधान। यह एक संक्रमणकालीन दौर है, जिसमें सतर्कता, संवाद और व्यावहारिक कूटनीति के माध्यम से भारत न केवल अपने हितों की रक्षा कर सकता है बल्कि भारतझ्रबांग्लादेश संबंधों को एक नई और अधिक परिपक्व दिशा दे सकता है। यदि अनिश्चितताओं का प्रभावी प्रबंधन किया गया और सहयोग के क्षेत्रों को सुदृढ़ किया गया तो यह राजनीतिक परिवर्तन न केवल द्विपक्षीय संबंधों बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और सहयोग की संभावनाओं को भी सशक्त कर सकता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेषः घरेलू माहौल में किसी मुद्दे को लेकर तनातनी की स्थिति बन सकती है, इसलिए अनावश्यक बहस से दूर रहना समझदारी होगी। समय की कीमत समझें और बेकार चर्चाओं में ऊर्जा खर्च न करें। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बना रहेगा और आपसी समझ रिश्ते को मजबूत करेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज आत्मविश्वास में सकारात्मक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, जिससे आप निर्णय लेने में सक्षम महसूस करेंगे। आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिल सकता है और आय के अवसर बनेंगे। हालांकि परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः दिन की शुरूआत आत्मबल में वृद्धि के साथ होगी और यह आपको योजनाओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। वित्तीय दृष्टि से समय अनुकूल रह सकता है, लेकिन घर-परिवार के किसी व्यक्ति की तबीयत पर ध्यान देना पड़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः घर का वातावरण चहल-पहल भरा रहेगा और मेहमानों के आने-जाने से व्यस्तता बढ़ सकती है। आप अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं, जिससे कार्यों में नई ऊर्जा आएगी। परिवार को लेकर कोई दीर्घकालिक योजना बनाने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः सकारात्मक सोच बनाए रखना आज आपके लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। त्वचा संबंधी समस्या परेशान कर सकती है, इसलिए देखभाल जरूरी है। गलत संगति से दूरी बनाए रखना हित में रहेगा, क्योंकि इससे नुकसान होने की आशंका है। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः प्रेम संबंधों में भावनात्मक जुड़ाव गहरा हो सकता है और आप संवेदनशील महसूस करेंगे। कार्यक्षमता में सुधार देखने को मिलेगा, जिससे कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में विस्तार या लाभ की संभावना बन रही है। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः परिवार में किसी अहम विषय पर गंभीर चर्चा हो सकती है। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों के लिए दिन सकारात्मक संकेत दे रहा है। रचनात्मक विचारों की उत्पत्ति होगी, जो आपको नई राह दिखा सकते हैं। मीडिया या संचार क्षेत्र में सक्रिय लोगों को पहचान या प्रशंसा मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः दूर रह रहे परिजनों को लेकर मन में चिंता बनी रह सकती है। हल्का बुखार या कमजोरी महसूस होने की आशंका है, इसलिए आराम करें। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी और आप अपने कार्य सुचारू रूप से पूरा करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

धनुः मन किसी कारण उदास या असंतुष्ट रह सकता है। उच्च शिक्षा से जुड़े कार्यों में रुकावटें आने की संभावना है। रुका हुआ धन प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है और मेहनत के अपेक्षित परिणाम न मिलने से निराशा हो सकती है। अपनी गलतियों को स्वीकार करना सुधार का रास्ता खोलेगा। *(सिटी दर्पण)*

मकरः परिवार के साथ पुराने मतभेद दूर होने से रिश्तों में मधुरता आएगी। साझेदारी में किया गया व्यवसाय लाभदायक साबित हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यस्थल पर प्रभाव भी मजबूत होगा। नौकरी में आपकी स्थिति बेहतर हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः कोई शुभ या मांगलिक आयोजन की योजना बन सकती है। परिवार के साथ अनावश्यक विरोध टालना समझदारी होगी। नए रोजगार के अवसर सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधूरे काम पूरा करने का दबाव रहेगा, लेकिन मेहनत रंग लाएगी। *(सिटी दर्पण)*

मीनः नए कार्य को लेकर मन में थोड़ी दुविधा बनी रह सकती है। आत्मसम्मान और प्रतिष्ठा को लेकर सजग रहेंगे। घरेलू जिम्मेदारियां समय ले सकती हैं। शुभ कार्यों पर खर्च होने की संभावना है। निर्णय लेने में बार-बार बदलाव करना नुकसानदेह हो सकता है, इसलिए स्थिरता बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

महा शिवरात्रि के मौके पर अरविंद केजरीवाल और भगवंत सिंह मान ने श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में माथा टेका, पंजाब की शांति और खुशहाली के लिए की प्रार्थना

पंजाब सरकार आने वाली पीढ़ियों के लिए पंजाब की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संभालने के लिए वचनबद्धः मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता

धूरी

महाशिवरात्रि के पवित्र मौके पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सम्मानित श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में माथा टेका और ऐतिहासिक सिद्ध पीठ में पूजा की तथा पंजाब व देश की शांति, खुशहाली और निरंतर तरक्की के लिए आशीर्वाद मांगा। त्यौहार पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए 'आप' प्रमुख ने महाशिवरात्रि को भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा वाला त्योहार बताया और प्रार्थना की कि भगवान भोले नाथ की कृपा हमेशा हरेक नागरिक पर बनी रहे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि पंजाब सरकार आने वाली पीढ़ियों के लिए सूबे की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संभालने और उत्साहित करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि श्री गुरु तेग बहादर जी का शहादी दिवस मनाने से लेकर श्री गुरु रविदास जी के प्रकाश पर्व को मनाने तक पंजाब अपनी शानदार विरासत को मान और श्रद्धा के साथ सम्मान देता रहता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'आप' के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने कहाः महाशिवरात्रि के पवित्र मौके पर मुझे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ धूरी के श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में प्रार्थना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महादेव की ब्रह्म ऊर्जा मन को शांति और आत्मा को नई ताकत देती है। भगवान भोले नाथ का आशीर्वाद हमेशा आप सभी पर बना रहे और देश व पंजाब तरक्की व खुशहाली की ओर बढ़ते रहें।

इस दौरान, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर कहाः आज महाशिवरात्रि के मौके पर मैं 'आप' के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और पंजाब इंचार्ज मनीष सिसोदिया के साथ धूरी विधानसभा क्षेत्र के गांव रणिके स्थित श्री रणकेशवर मंदिर में भगवान शिव का आशीर्वाद लिया और माथा टेका। मैं देश की खुशहाली, शांति और सद्भावना तथा सभी में स्थायी भाईचारे के लिए प्रार्थना की। भगवान शिव का आशीर्वाद हमेशा सभी पर बना रहे।

'आप' के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमने श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में माथा टेका और प्रदेश की शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, महाशिवरात्रि के शुभ मौके पर हमने सिद्ध पीठ में पूजा की और मानवता के कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, महाशिवरात्रि लोगों को सत्य की खोज की ओर यत्न करने के लिए प्रेरित करती है, जो भगवान शिव द्वारा दर्शाई गई अंतिम चेतना की ओर ले जाती है। उन्होंने आगे कहा, यह त्योहार धार्मिकता, श्रद्धा, आपसी प्यार और सद्भावना पर जोर देता है।

इस मौके की सांस्कृतिक महत्ता पर जोर देते हुए अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जिसे महान भारतीय सभ्यता के आधार के रूप में जाना जाता है। उन्होंने आगे कहा, श्री रणकेशवर महादेव को पंजाब के मालवा क्षेत्र में एक सम्मानित सिद्ध पीठ माना जाता है। ऐसे स्थानों की आध्यात्मिक विरासत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ऐतिहासिक तौर पर सिद्ध पीठों को पवित्र स्थान माना जाता है, जहां गहराई के साथ तपस्या और आध्यात्मिक अभ्यास किए जाते थे, जिससे ब्रह्म प्रकट होते थे।

अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमारी परंपरा में ऐसे स्थानों का बहुत महत्व है क्योंकि यह माना जाता है कि सदियों की भगती और तपस्या द्वारा आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। उन्होंने आगे कहा, यह मंदिर रूढ़िगत तौर पर महाभारत काल से जुड़ा हुआ है, खास करके भगवान शिव को खुश करने के लिए अर्जुन की तपस्या से। उन्होंने आगे कहा, यह माना जाता है कि गहन तपस्या के बाद भगवान शिव अर्जुन के समक्ष प्रकट हुए और उन्हें ब्रह्म हथियार गांडीव धनुष का वरदान दिया।

इस स्थान को भारत की महाकाव्य विरासत से जोड़ते हुए अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह स्थान भारत के महान महाकाव्यों में से एक से संबंधित है, जिससे इसे गहरी पौराणिक और ऐतिहासिक पहचान मिलती है। उन्होंने आगे कहा, श्री रणकेशवर महादेव मालवा पट्टी में शिव भक्ति की इस निरंतरता को दशार्ता है। उन्होंने आगे कहा, यह पवित्र स्थान याद दिलाता है कि पंजाब की सांस्कृतिक पहचान आध्यात्मिक इतिहास की कई परतों द्वारा गढ़ी गई है। त्योहार की व्यापक महत्ता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, महाशिवरात्रि सिर्फ एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि प्राचीन सभ्यता से संबंधित है।

अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह त्योहार भगवान शिव और माता पार्वती के ब्रह्म मिलाप की याद दिलाता है और आध्यात्मिक जागृति तथा स्वयं-अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, इन इतिहासिक तौर पर महत्वपूर्ण तपस्थली पर महाशिवरात्रि मनाना पुरानी रीति-रिवाजों और विश्वासों की निरंतरता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा, श्री रणकेशवर महादेव पर वार्षिक उत्सव इसे भूले हुए स्मारक की बजाय एक जीवंत विरासती स्थान के रूप में सुरक्षित रखने में मदद करते हैं।

इस स्थान की सांस्कृतिक महत्ता उजागर करते हुए अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह पवित्र स्थान सदियों पुरानी भक्ति प्रथाओं को दशार्ता है, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक चली आ रही हैं। उन्होंने आगे कहा, रस्मों की निरंतरता दशार्ती है कि विश्वास परंपराएं समय के साथ कैसे अनुकूल होती हैं, जबकि उनका मूल तत्त्व कायम रहता है और यह क्षेत्र की अदृश्य सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा, ऐसे समागम मालवा क्षेत्र में क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक साझे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक झंडे के नीचे इकट्ठा करते हैं।

विरासत की संभाल के प्रति प्रदेश सरकार की वचनबद्धता जाहिर करते हुए अरविंद केजरीवाल और भगवंत सिंह मान ने कहा, प्रदेश सरकार पहले ही नौजवान पीढ़ियों को शानदार सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए सख्त मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा, प्रदेश सरकार पहले ही श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहादी दिवस को बेमिसाल ढंग से मना चुकी है। उन्होंने आगे कहा, अब श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को भी बेमिसाल ढंग से मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। अंत में उन्होंने कहा, प्रदेश सरकार यह यकीनी बनाना चाहती है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जानकार करवाया जाए।

कारीगरी से कारोबारी : उद्यमिता उत्सव आयोजित

चंडीगढ़। पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर-46 के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल और संस्थान की इनोवेशन काउंसिल ने कारीगरी से कारोबारी- उद्यमिता उत्सव का आयोजन किया। कॉलेज हर साल इस उत्सव का आयोजन करता है और इसका उद्देश्य छात्रों में स्वरोजगार और उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देना है ताकि वे नौकरी चाहने वालों के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बन सकें। कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) निशा अग्रवाल ने इस पहल की सराहना की और छात्रों को भागीदारी और लाभकारी बिक्री के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की पहल निश्चित रूप से

उद्यमिता कौशल को विकसित करेगी, जो समय की आवश्यकता है। उत्सव का उद्घाटन कॉलेज की डीन प्रो. (डॉ.) स्नेह हर्षिंदर शर्मा ने उप-प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार, शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति में किया। उन्होंने सभी स्टॉलों का दौरा किया और छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सफलता की शुभकामनाएं दीं। सभी स्ट्रीम के छात्रों ने उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लिया और कॉलेज के छात्रों द्वारा 31 छात्र विक्रेता स्टॉल लगाए और संचालित किए गए। विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पाद, कला और शिल्प की वस्तुएँ बेची गईं और छात्रों के मनोरंजन के लिए कुछ रोमांचक खेल और मनोरंजन के स्टॉल भी लगाए गए। इस उत्सव में 500 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। छात्रों ने व्यवसाय करके अपने निवेश पर अच्छा लाभ कमाया और इच्छा व्यक्त की कि ऐसे आयोजन कम से कम सेमेस्टर में एक बार त्योहारों के आसपास आयोजित किए जाने चाहिए। इस उत्सव का आयोजन प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. मुकेश चौहान द्वारा किया गया था।

गैंगस्टरां ते वार का 26वाँ दिन: पंजाब पुलिस ने 571 स्थानों पर छापेमारी की; 193 गिरफ्तार

- पुलिस टीमों ने 66 व्यक्तियों के खिलाफ रोकथाम कार्रवाई की, 108 को सत्यापन के बाद रिहा किया
- लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों से संबंधित जानकारी दे सकते हैं
- युद्ध नशों के खिलाफ के 351वें दिन 20.7 किलो हेरोइन सहित 44 नशा तस्कर गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के तहत शुरू की गई निर्णायक *गैंगस्टरां ते वार मुहिम के 26वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों से जुड़े पहचाने गए और मैप किए गए ठिकानों पर 571 छापेमारियाँ कीं।

जानकारी के अनुसार, गैंगस्टरां ते वार - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई एक निर्णायक जंग - 20 जनवरी, 2026 को डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। इसके तहत सभी जिलों की पुलिस टीमों द्वारा एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ की जा रही हैं।

इस मुहिम के 26वें दिन, पुलिस टीमों ने 193 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 3 हथियार बरामद किए। इसके साथ ही मुहिम की शुरूआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या 9437 हो गई है।

इसके अलावा 66 व्यक्तियों के खिलाफ रोकथाम कार्रवाई की गई, जबकि 108 व्यक्तियों का सत्यापन किया गया और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों द्वारा कार्रवाई के दौरान 9 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया गया है।

वांछित हुए अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में जानकारी और अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना देने के लिए लोग गुप्त रूप से एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों के खिलाफ के 351वें दिन भी जारी रखते हुए आज 44 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 20.7 किलो हेरोइन, 210 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल तथा 2.28 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इससे मात्र 351 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 49,674 हो गई है। नशा छुड़ाऊ मुहिम के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 19 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास के इलाज के लिए राजी किया है।

संक्षिप्त-समाचार

फिरोजपुर रेलवे मंडल ने बिना टिकट यात्रा अभियान चलाया,243 चालान काटे गए

जैतो। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा एतवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल द्वारा 14 फरवरी 2026 को जलंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर विशेष टिकट जांच अभियान ह्यफोर्ट्रेस चेकह्ण चलाया गया। इस सघन जांच अभियान के दौरान कुल 243 बिना टिकट यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे लगभग ₹1.67 लाख का राजस्व वसूला गया। यह अभियान सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक लगातार चलाया गया। अभियान में 14 टिकट जांच कर्मी एवं आरपीएफ के जवानों ने संयुक्त रूप से भाग लिया।फोर्ट्रेस चेक के अंतर्गत स्टेशन परिसर में बिना पूर्व सूचना सघन टिकट जांच की जाती है। इस दौरान यात्रियों के टिकटों की गहन जांच कर बिना टिकट अथवा अनियमित यात्रा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करना एवं यात्रियों में टिकट लेकर यात्रा करने की आदत को बढ़ावा देना है।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री परमदीप सिंह सैनी ने यात्रियों से अपील की है कि वे सदैव वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें। यात्रियों की सुविधा एवं राजस्व के बचाव को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष टिकट जांच अभियान जारी रहेंगे।

महाशिवरात्रि पर चुन्नी लाल सचदेवा डीएवी स्कूल में विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा किया हवन

जैतो। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य पर चुन्नीलाल सचदेवा डी.ए.वी.सेंटेनरी पब्लिक स्कूल जैतो के विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा किया गया हवन। प्राचीन फतेहचंद मंदिर में सुशील शर्मा और बठिंडा के गायत्री परिवार के नेतृत्व में हवन किया गया। बच्चों को अपने वेदों और संस्कृति से जुड़े रहने के लिए यह हवन किया गया। सुशील शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आप अपनी संस्कृति और वेदों से जुड़ेंगे तो आप अपने माता-पिता और समाज के प्रति अपने कर्तव्य को निभा सकते हैं। इसी दौरान गायत्री परिवार बठिंडा की टीम ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को हवन करते रहने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा ने सुशील शर्मा और गायत्री परिवार बठिंडा की टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा ने अपनी और डी.ए.वी.मैनेजमैंट की तरफ से विद्यार्थियों अभिभावकों एवं जैतो निवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की मुबारकबाद दी।

शादी समारोहों में ड्रोन के इस्तेमाल पर रोक आदेश 8 अप्रैल तक लागू : पूनमदीप कौर

जैतो। फरीदकोट के डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट मैडम पूनमदीप कौर आईएएस ने इंडियन सिविल प्रोटेक्शन कोड 2023 के सेक्शन 163 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फरीदकोट जिले की सीमा के अंदर ड्रोन या दूसरी उड़ने वाली चीजों के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में तरनतारन जिले में ड्रोन की मदद से हथियारों की तस्करी की कोशिश की गई थी। इसलिए, उन्होंने कहा कि शरारती तत्व ड्रोन की मदद से कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। इसलिए, आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए ड्रोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के आदेश जारी किए गए हैं।

कार्यक्रम हरियाणा कला एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया

अलाइव फॉरएवर : लता मंगेशकर कॉन्सर्ट के जरिए स्वर कोकिला की चौथी पुण्यतिथि पर दी संगीतमय श्रद्धांजलि

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

महान गायिका भारत रत्न लता मंगेशकर की चौथी पुण्यतिथि पर उन्हें समर्पित संगीतमय कार्यक्रम अलाइव फॉरएवर : लता मंगेशकर का चौथा संस्करण उनकी अमर विरासत को नमन करने के लिए आयोजित किया गया। लता को उनके गाये रहें न रहें हम, महका करेंगे,, सुमन सुधा रजनीगंधा, न जाने क्यों, होता है जिंदगी के साथ आदि गानों के साथ याद किया गया।

संगीत और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्यरत इम्मोर्टल म्यूजिकल वेव्स, पैथिओस वेलफेयर लीग तथा धुन म्यूजिक अकादमी द्वारा टैगोर थिएटर में आयोजित इस संगीत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राजयसभा सांसद

एवं सीयू के कुलपति सतनाम सिंह संधू ने डीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम हरियाणा कला एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के आयोजकों परम चंदेल, विकास सिंगला व राजेश कुमार ने बताया कि भारत की स्वर कोकिला की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाली यह अनूठी संगीत श्रृंखला लगातार चौथे वर्ष जारी है, जो भारतीय संगीत में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देती है। इस अवसर पर बॉलीवुड के उन प्रतिष्ठित संगीतकारों और कलाकारों व साजिंदों ने मंच पर प्रस्तुति दी, जिन्होंने स्वयं लता मंगेशकर के साथ मूल गीतों में कार्य किया था और कार्यक्रम में ये सभी उनकी कालजयी धुनों को पुनः जीवंत किया व उनके साथ अपने अनुभवों को साझा किया।

इस संगीतमय शाम में बॉलीवुड की प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांतझप्यारेलाल ग्रुप से जुड़े दिग्गज संगीतज्ञों के साथ-साथ ट्राइसिटी के सुप्रसिद्ध गायकगण और सारेगामापा, इंडियन आइडल, सुपर वॉइस ऑफ इंडिया, वॉइस ऑफ पंजाब जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो के प्रतिभागी व विजेता कलाकारों ने संगीतमय प्रस्तुतियां देकर समा बाँध लिया।राजेश कुमार ने बताया कि अलाइव फॉरएवर झ लता मंगेशकर केवल एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं, बल्कि सभी आयु वर्ग के कलाकारों के लिए अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच है, जो स्थानीय कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करता है।

आयोजकों ने सभी प्रायोजकों और सहयोगियों का आभार भी व्यक्त किया जिनमें विशेष रूप से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, वीएस इंफ्रा, जगदम्बे फर्नेस, एसआरपी यूएस लोजिस्टिक्स, विदेश टूअर्स एंड ट्रेवल्स, वूड्सबरी किंडरगार्टन तथा लिटिल आइंस्टीनस शामिल थे।

कार्यक्रम में ओजस्वी, वंशिका, लेसल राज, परम चंदेल, विकास सिंगला, अनन्य, राजेश कुमार, तरुणदीप चंदेल, मनलग्न जोत, कृष्ण, सोनी, दीपक गर्ग, जगदीप, तरसेम कुमार, वैशाली, गैरी, डॉ अनिल शर्मा, डॉ गुरप्रीत, नैंसी व बलजीत सिंह आदि ने एक से बढ़ कर एक प्रस्तुतियां दीं।

मणिपुर से अलग-अलग अभियानों में 10 उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

पुलिस एवं सुरक्षा बलों ने उग्रवदियों से हथियार बरामद किए, बरामद आईईडी को नष्ट कर दिया गया

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों में पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा बीते 24 घंटों के दौरान चलाए गये अभियानों में दो महिला समेत 10 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास हथियार बरामद किए गए हैं, जबकि बरामद आईईडी को नष्ट कर दिया गया।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के दो सक्रिय कैडर को बीते शनिवार गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान वैरोकपम सनाहल मैतेई उर्फ नोंगदंबा (46) और स्वयंभू लेफ्टिनेंट मयंगलंबम किरण सिंह उर्फ शांति उर्फ बोइपु (47) के रूप में की गई। दोनों को थौबल जिले से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से दो मोबाइल फोन और चार सिम बरामद हुए हैं। इसी बीच सुरक्षा बलों ने भारत- म्यांमार सीमा के जनरल एरिया से पीएलए की दो सक्रिय महिला कैडरों को टेंग्नौपाल ज़िले के मोरेह थाना क्षेत्र के सनराइज ग्राउंड और गेट नंबर 2, मोरेह के बीच से गिरफ़्तार किया है। दोनों की पहचान अकोईजाम सखेनबी (23) और चोंगथम हेम्बाबी (17) के रूप में की गई है। अन्य एक अभियान में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर इंगुदम इंगोचा सिंह (50) उर्फ बोरोबी को सेइजांग माखा लेइकाई, इंफाल ईस्ट ज़िले से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक .32 बोर की पिस्तौल जिसमें पांच राउंड जिंदा कारतूस लोडेड था, 10 प्रीपाक (प्रो) विज़िटिंग कार्ड, एक होंडा एक्टिवा स्कूटर, 600 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। सुरक्षा बलों ने अवैध धन वसूली करने वाले प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर सोरोखाइबाम रंजीत सिंह (41) को इंफाल ईस्ट ज़िले के खबाम लमखाई इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल हैंडसेट और एक आधार कार्ड जब्त किया गया। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय कैडर खेतिक्स थोंगबाम (19) को गिरफ्तार किया। उसे इंफाल पश्चिम जिले के इंफाल थानांतर्गत इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया। सुरक्षा बलों की तलाशी अभियान के एक अन्य अभियान में प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर को इंफाल पूर्व जिले से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान इरेंगबाम सरतकुमार मैतेई (21) उर्फ अचौबा के रूप में की गयी है। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। इस बीच चुराचांदपुर जिले में चलाए गये अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने चुराचंदपुर थानांतर्गत मतिजंग गांव से टी. ल्हांगकिचोई गांव के एक जबरन वसूली करने वाले यूकेएनए संगठन के सक्रिय कैडर लुंजकाई वैफेई (20) को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देसी 9एमएम की पिस्तौल और तीन ज़िंदा राउंड जब्त किए गए। सुरक्षा बलों के अन्य अभियान के दौरान केवाईकेएल के एक सक्रिय कैडर, खुमानथेम संतोष मैतेई (36) उर्फ कांता को थौबल जिले से गिरफ्तार किया गया।

फोटोः हि.स.

बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी की कैद में पाकिस्तान के सैनिकों की गुहार- मांगें पूरी कर हमें छुड़वाओ

एजेंसी (हि.स.)
क्वेटा (बलोचिस्तान)

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के कई जवान आजादी के लिए संघर्षरत बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की कैद से छूटने के लिए छटपटा रहे हैं। बीएलए ने अपने आधिकारिक मीडिया चैनल हुकल पर इन जवानों का वीडियो प्रसारित किया है। वीडियो में वदीर्धारी पाकिस्तानी सेना के जवानों को किसी अज्ञात स्थान पर बलोच लिबरेशन आर्मी के सशस्त्र सदस्यों के बीच दिखाया गया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट ने अपनी वेबसाइट पर रिपोर्ट में इस वीडियो से तैयार फोटो को भी अपलोड किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वीडियो में एक सैन्य अफसर कह रहा है, "मेरा नाम शम्स तबरीज है। मैं मोहम्मद कुरैश का बेटा हूं, मैं स्वाबी (खैबर पख्तूनख्वा) का निवासी हूं। मैं अक्टूबर 2012 में पाकिस्तान की सेना में भर्ती हुआ था। मेरा रैंक नायक का है। मैं पाकिस्तान के सेना से बीएलए की मांगों को पूरा करने का अनुरोध करता हूं, ताकि हमें रिहा किया जा सके। इस वीडियो में सभी जवान वर्दी में हथियार और अन्य उपकरण के साथ नजर आ रहे हैं। बीएलए ने इनको 21 जनवरी को खुजदार के ओरनाच इलाके में लड़ाई के दौरान दबोचा था। इस लड़ाई में पाकिस्तान सेना के कैप्टन उमर शहीद की मौत हो गई थी और एक कर्नल घायल हो गया था। इनकी बुलेटप्रूफ गाड़ी को आईईडी हमले में निशाना बनाया गया था। उल्लेखनीय है कि बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलोच ने एक बयान जारी कर कहा था कि ऑपरेशन हीरो-2 के लड़ाकों ने पाकिस्तान सेना के 10 वरिष्ठ अधिकारियों को हिरासत में लिया था।

इस बीच बलोचिस्तान के पंजगुर जिले में पिछले एक सप्ताह में आठ लोगों के शव मिले हैं। अब तक जिन शवों की पहचान हुई है, वे सभी जबरन गुमशुदगी के शिकार हैं। ताजा घटनाक्रम में पंजगुर में आज दो और शव मिले हैं। इनमें से एक की पहचान जांगियान के रूप में हुई है। वह अब्दुल राशिद का पुत्र है। जांगियान का गर पंजगुर के प्रोम इलाके में है। दूसरे शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। परिवार के अनुसार, जांग्यान को 26 मई, 2025 को पंजगुर के प्रोम इलाके से पाकिस्तान सेना ने चार अन्य रिश्तेदारों के साथ हिरासत में लिया था। कुछ दिन बाद अन्य लोगों को रिहा कर दिया गया। जांगियान के बड़े भाई मलिक मीरान ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि उसके भाई को पाकिस्तानी सेना और समर्थक सशस्त्र समूह (डेथ स्क्वाड) ने गिरफ्तार किया था। भाई का शव आज मिला है। स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में पंजगुर से आठ शव बरामद किए गए हैं।

पाकिस्तान में सड़क हादसा, कम से कम 11 लोगों की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
कराची

पाकिस्तान के सिंध प्रांत के खैरपुर जिले में टंडो मस्ती के पास एक और बालू ले जा रहे ट्रेलर की टक्कर में कम से कम 11 लोग मारे गए। मृतकों में नौ यात्री और बस के ड्राइवर और कंडक्टर शामिल हैं। यह बस पंजाब से कराची जा रही थी। आज सुबह यह जानकारी बचाव अधिकारियों ने दी। जियो न्यूज चैनल की रिपोर्ट में ईधी फाउंडेशन के हवाले से कहा गया है कि इस हादसे में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सभी का खैरपुर सिविल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद सिंध के पुलिस महानिरीक्षक ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खैरपुर को तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचने और बचाव कार्यों की निगरानी करने का निर्देश दिया। इस बीच, शुक्रवार को एम-9 मोटर-वे पर कथोरे के पास कई गाड़ियों की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा एक तेल टैंकर, एक बस और कई अन्य गाड़ियों के टकराने के बाद हुआ। बचाव अधिकारियों ने पुष्टि की कि मरने वालों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। टक्कर की वजह से कई यात्री पुल से गिर गए।

बांग्लादेश में कैबिनेट सचिव बदले, एम. सिराज उद्दीन मियां को जिम्मेदारी

ढाका। बांग्लादेश में नई सरकार के गठन की तैयारियों के बीच प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव किया गया है। सरकार ने कैबिनेट सचिव शेख अब्दुर राशिद को पद से हटाते हुए उनकी जगह एम. सिराज उद्दीन मियां को नया कैबिनेट सचिव नियुक्त किया है। कैबिनेट डिविजन की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि 08 अक्टूबर 2024 को दिए गए राशिद के संविदा कार्यकाल की शेष अवधि को 'जनहित में' तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। वहीं, राशिद ने स्थानीय मीडिया से बातचीत में दावा किया कि उन्होंने कुछ दिन पहले ही इस्तीफा दे दिया था और अब उसे औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया है। अलग अधिसूचना में बताया गया कि सिराज उद्दीन मियां, जो अब तक मुख्य सलाहकार कार्यालय में प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत थे, उन्हें नया कैबिनेट सचिव बनाया गया है। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है जब देश में आम चुनाव के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया चल रही है।

बांग्लादेश में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत समेत 13 देशों के शासनाध्यक्षों को आमंत्रण

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

फोटोः हि.स.

बांग्लादेश की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत, चीन, पाकिस्तान समेत 13 देशों के शासनाध्यक्षों को आमंत्रित किया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान के नेतृत्व में 17 फरवरी को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होना है। बांग्लादेश के सर्वाधिक प्रसारित अखबार प्रोथोम अलो ने अंतरिम सरकार के एक भरोसेमंद अधिकारी के हवाले से बताया है कि अंतरिम सरकार ने 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में जीत का परचम फहराने वाली बीएनपी नेतृत्व के साथ बातचीत के बाद 13 देशों के शासनाध्यक्षों को शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने का फैसला किया। कूटनीतिक सूत्रों ने बताया कि सऊदी अरब, तुर्किये, यूनाइटेड अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान को पहले ही निमंत्रण भेजा जा चुका है। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार दोपहर जातीय संसद भवन के साउथ प्लाजा में होगा। नवनिर्वाचित सांसद 17 फरवरी को शपथ लेंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी ने चुनाव में दो-तिहाई से अधिक सीटें जीतकर अगली सरकार बनाने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। बीएनपी के संयुक्त महासचिव (विदेश मामले) हुमायूं कबीर ने कहा, "मैं किसी खास देश की बात नहीं कर रहा हूं। बीएनपी सार्क के सदस्य देशों और मिडिल ईस्ट देशों के शासनाध्यक्षों को शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने की तैयारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी नई संसद में मुख्य विपक्षी पार्टी के तौर पर काम करेगी।

संक्षिप्त-समाचार

डालसा की टीम ने केंद्रीय कारा का किया औचक निरीक्षण

पलामू। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर बोर्ड ऑफ विजिटर और डालसा की संयुक्त टीम ने रविवार को केंद्रीय कारा मेदिनीनगर का औचक निरीक्षण किया। पलामू के प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के अगुआई में उपायुक्त पलामू समीरा एस, पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन, डालसा सचिव राकेश रजंन, सिविल सर्जन डॉ अनिल श्रीवास्तव, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग महेंद्र राम, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चन्द सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पाण्डेय, प्रभारी काराधीक्षक आनंद कुमार झा, आदि ने शामिल थे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरक,महिला वार्ड , मेडिकल वार्ड,कीचन ,स्टोर रूम व अन्य महत्वपूर्ण विभागों का जायजा लिया और कैदियो को प्रदान की जा रही स्वास्थ सुविधाओं और चिकित्सा ब्यवस्था का आकलन किया। टीम ने साफ सफाई, पेयजल ,शौचालय, पुस्तकालय,सुरक्षा ब्यवस्था व कैदियों से सम्बंधित ब्यवस्थाओ की समीक्षा की। टीम ने बन्दियों से मुकदमे के बारे में पैरवी के लिए एलएडीसी अधिवक्ता के तहत उपलब्ध सहायता के बारे में भी जानकारी ली। पीडीजे ने कहा कि कोई भी बन्दी बिना अधिवक्ता के नहीं रहे। डालसा के जरिए सभी को मुफ्त अधिवक्ता उपलब्ध कराया जा रहा है। कारा में एलएडीसी के अधिवक्ता बराबर आते हैं और ये मुफ्त विधिक सहायता करते हैं। उन्होंने कहा कि रिमांड से जमानत,गवाही और अपील का कार्य करते हैं। कोई समस्या हो तो पीएलवी जेल में है आप उनसे भी अपना समस्या लिखाकर डालसा में भेज सकते है। टीम ने यह भी परखा की सरकार के द्वारा निर्धारित मानक मेनू के तहत लोगों को भोजन दिया जा रहा है या नहीं। सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली। उल्लेखनीय है कि निरीक्षण नियमित जांच का हिस्सा हैं। इसका मुख्य उद्देश्य जेल प्रशासन की ब्यवस्था को बेहतर बनाए रखना और कैदियों को मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करना है। इस बात की भी पड़ताल की गई कि कारा में किसी प्रकार भेदभाव तो नही हो रहा है। बन्दी अन्य बन्दी को डराने धमकाने का काम तो नही कर रहे हैं।निरीक्षण के दौरान पठन पाठन की पुस्तकें, संगीत स्टूमेंट आदि भी सही हालत में पाया गया। टीम के लोगो ने महिला बंदियों से भी मुलाकात की और उनकी समस्या से रुबरु हुए।पीडीजे श्री राम शर्मा, डीसी समीरा एस व एसपी रेशमा रमेशन ने महिला बन्दियों के साथ छोटे बच्चों को बिस्किट प्रदान किया।एक चार साल के बच्चे ने पीडीजे ,डीसी, एसपी डालसा सचिव के साथ गए जांच टीम को अल्फाबेट के 26 अक्षर को सुनाया। एक कविता सुनाकर सब का दिल जीत लिया।महिला बन्दी ने बताया कि बच्चों को दूध, अंडा, फल सहित अन्य पौष्टिक आहार मिलता हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट से पहले 70 टीमें अंतिम चरण के लिए चयनित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में होने वाले कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सम्मेलन से पहले तीन वैश्विक एआई चुनौती प्रतियोगिता के फाइनलिस्ट घोषित कर दिए हैं। इन चुनौतियों में 60 से अधिक देशों से 4,650 से ज्यादा आवेदन किए गए थे। इनमें से 70 टीमों को फाइनल के लिए चुना गया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय अनुसार चयनित टीमें 16 और 17 फरवरी को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम और सुषमा स्वराज भवन में अपने समाधान प्रस्तुत करेंगी। यहां ग्रैंड फिनाले और पुरस्कार समारोह आयोजित होगा। मंत्रालय ने बताया कि एआई फॉर ऑल चैलेंज में 1,350 से ज्यादा आवेदन आए थे। इसमें 20 टीमों का चयन किया गया। इन टीमों ने स्वास्थ्य, कृषि, जलवायु और शिक्षा से जुड़े एआई समाधान विकसित किए हैं। ह्यएआई बाय हरह्न के चैलेंज में 800 से ज्यादा आवेदन किए गए। इसमें 30 महिला नेतृत्व वाली टीमों को चुना गया। इन टीमों ने कैंसर जांच, हेल्थ टेक और डिजिटल सेवाओं से जुड़े समाधान तैयार किए हैं। युवाई ग्लोबल यूथ चैलेंज में 2,500 से ज्यादा आवेदन किए गए। इसमें 13 से 21 वर्ष के युवाओं ने भाग लिया। इसमें 20 टीमों को फाइनलिस्ट बनाया गया। इन टीमों ने बीमारी पहचान, कृषि, बाढ़ चेतावनी और डीपफेक पहचान से जुड़े समाधान तैयार किए हैं।

बेंगलुरु के पास सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत

बेंगलुरु (कर्नाटक)। राजधानी बेंगलुरु के बाहरी इलाके नेलमंगला के पास टोल फ्लाईओवर पर देररात हुए सड़क हादसे में पांच युवकों की जान चली गई। बताया गया है कि तुमकुरु रोड से बेंगलुरु की ओर आ रही तेज रफ्तार कार डिवाइडर पारकर सामने से आ रही केएसआरटीसी की बस से टकरा गई। टक्कर में कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांचों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों में तीन की पहचान डोड्डाबल्लापुर निवासी दुर्गा प्रसाद (20), केशव (19), ललित (22) और हर्षित (20) के रूप में हुई है। दो की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। बस में 42 यात्री सवार थे। इस टक्कर में बस का आगे का शीशा टूट गया, जिससे कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं। बस चालक और परिचालक भी घायल हुए हैं। इस संबंध में में मादानायकनहल्ली पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया है।

डीओपीपीडब्ल्यू ने बढ़ाई अपनी डिजिटल पहुंच

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्र सरकार की 'ईज ऑफ लिविंग' पहल को आगे बढ़ाते हुए, पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने पेंशनभोगियों की समस्याओं के समाधान और जागरूकता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख किया है। यह विभाग अब यूट्यूब, फेसबुक और एक्स के माध्यम से पेंशनभोगियों से सीधा संवाद कर रहा है, ताकि उनकी शंकाओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

विभाग ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर छोटे और सूचनात्मक वीडियो की एक श्रृंखला शुरू की है। इन वीडियो में जटिल पेंशन नियमों, प्रक्रियाओं और मिलने वाले लाभों को बेहद सरल और नागरिक-अनुकूल तरीके से समझाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य पेंशनभोगियों के बीच भ्रम को कम करना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सशक्त बनाना है। फेसबुक के माध्यम से विभाग नियमित रूप से जागरूकता सामग्री और अपडेट साझा कर रहा है। यहां पेंशनभोगी और उनके परिवार सीधे प्रश्न पूछकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वहीं, एक्स पर अंतर-मंत्रालयी टैगिंग के जरिए महत्वपूर्ण संदेशों को तेजी से प्रसारित किया जा रहा है, जिससे विभाग की पहुंच और दृश्यता में व्यापक सुधार हुआ है।

बहु-प्लेटफॉर्म डिजिटल रणनीति अपनाकर पारदर्शिता लाना और शिकायतों का त्वरित निवारण सुनिश्चित करना है, ताकि हर लाभार्थी तक सही जानकारी समय पर पहुंच सके।

सरकार की यह पहल न केवल पेंशनभोगियों को कार्यालयों के चक्कर काटने से बचाएगी, बल्कि उन्हें घर बैठे अपनी समस्याओं का समाधान पाने में भी मदद करेगी।

मुनीर ने जर्मनी में मार्को रुबियो से सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा की

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल, चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) सैयद आसिम मुनीर ने शनिवार को 62वें म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर जर्मनी में अमेरिका के विदेश सचिव मार्को रुबियो के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा और आतंकवादी विरोधी रणनीति पर चर्चा की। जियो न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से दी गई। इस बातचीत में दोनों पक्षों ने आपसी हितों पर भी चर्चा की। मुनीर ने इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए 12 से 14 फरवरी तक जर्मनी का दौरा किया। उन्होंने जर्मन, ब्राजील और लेबनान के भी सैन्य अधिकारियों से वैश्विक शांति पर बात की।

पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अफसर ने जर्मनी के आंतरिक सुरक्षा मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंड्ट, जर्मनी के चांसलर के सुरक्षा सलाहकार गुंटर साउटर और चीफ ऑफ डिफेंस जनरल कार्स्टन ब्रेउर से मुलाकात की।

विकास

प्रधानमंत्री मोदी रखेंगे नींव

22,864 करोड़ के सिलचर-शिलांग-गुवाहाटी हाई-स्पीड कॉरिडोर की घोषणा

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

फोटोः हि.स.

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को विकासात्मक परियोजनाओं की कई महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने मुख्यमंत्री मुख्यालय लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले माह मार्च में असम दौरे के दौरान महत्वाकांक्षी सिलचर-शिलांग-गुवाहाटी हाई-स्पीड कॉरिडोर की नींव रखेंगे।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग 22,864 करोड़ रुपये है, जो केंद्र सरकार द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए किए गए सबसे बड़े हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर आवंटन में से एक है। मुख्यमंत्री ने इसे एक गेम-चेंजिंग पहल बताया जो असम और मेघालय में कनेक्टिविटी को काफी बदल देगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के एक बार पूरा हो जाने पर, कॉरिडोर से गुवाहाटी और सिलचर के बीच यात्रा का समय लगभग 4.5 से 5 घंटे कम होने की उम्मीद है, जिससे तेज, सुरक्षित और ज्यादा कुशल ट्रांसपोर्टेशन मिलेगा। बेहतर कनेक्टिविटी से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

यह घोषणा राज्य सरकार के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार प्लान के हिस्से के तौर पर की गई है, जिसका मकसद रोड नेटवर्क को मजबूत करना और रीजनल इंटीग्रेशन को बढ़ाना है।

केंद्र सरकार ने ग्राम पंचायतों के लिए शुरू किया उपभोक्ता अधिकार क्षमता निर्माण का दूसरा चरण

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्र सरकार ने देशभर की ग्राम पंचायतों के लिए देशव्यापी क्षमता निर्माण कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू किया। इस दौरान बिहार, झारखंड और ओडिशा के पंचायत प्रतिनिधियों को तमाम तकनीकी और धरातल की जानकारियां दी गईं।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, 13 फरवरी को शुरू हुए कार्यक्रम में 1,011 ऑनलाइन लिंक के माध्यम से हजारों प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मंत्रालय ने बताया कि प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन 1915,ई-जागृति पोर्टल के उपयोग और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की भी जानकारी दी गई। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं भी रखीं।

कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत स्तर पर उपभोक्ता अधिकारों को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम का पहला चरण 20 दिसंबर 2024 से 22 अगस्त 2025 तक चलाया गया था। इसमें दिल्ली और चंडीगढ़ को छोड़ कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल कर जानकारियां दी गई थीं।

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे

एजेंसी (हि.स.)
उखीमठ/रुद्रप्रयाग

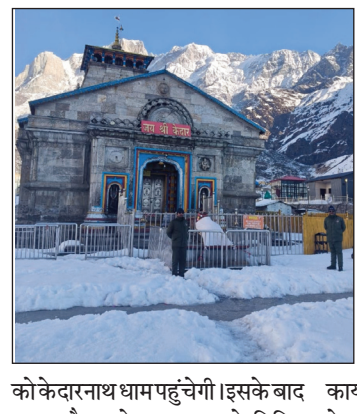

ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट इस वर्ष यात्रा के लिए 22 अप्रैल को वृष लग्न में प्रातः 8 बजे से श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इसका निर्णय महाशिवरात्रि के दिन परंपरानुसार शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में एक बैठक में पंचांग गणना के उपरांत लिया गया। रविवार को ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में विद्वान आचार्यों, हक-हकूकधारियों तथा बदरी-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में केदारनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि और समय तय किया गया। परंपरा के अनुसार निर्धारित तिथि से पूर्व बाबा केदार की पंचमुखी डोली केदारपुरी के लिए प्रस्थान करेगी।

बीकेटीसी मीडिया प्रभारी के अनुसार पंचमुखी डोली के प्रस्थान से पूर्व 18 अप्रैल को उखीमठ में भैरवनाथजी की पूजा-अर्चना होगी। 19 अप्रैल को डोली उखीमठ से फाटा के लिए प्रस्थान करेगी, 20 अप्रैल को गौरीकुंड में रात्रि प्रवास तथा 21 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। इसके बाद 22 अप्रैल को प्रातः 8 बजे विधि-विधान से कपाट खोले जाएंगे। इस यात्रा वर्ष केदारनाथ धाम में एम.टी. गंगाधर मुख्य पुजारी का दायित्व संभालेंगे। मदमहेश्वर धाम के लिए शिवशंकर लिंग ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में पूजा व्यवस्था देखेंगे, जबकि पुजारी बागेश लिंग अतिरिक्त व्यवस्था में रहेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर मुजफ्फरनगर निवासी अभिनव सुशील ने ओंकारेश्वर मंदिर को पुष्प सज्जा में सहयोग किया।

इस अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने देश-विदेश के तीर्थयात्रियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए चारधाम यात्रा के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए समिति राज्य सरकार एवं प्रशासन के साथ समन्वय में कार्य कर रही है। मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि कपाट तिथि घोषित होते ही यात्रा तैयारियों को गति दी जा रही है तथा मंदिर समिति के कार्यालयों एवं विश्राम गृहों का निरीक्षण जारी है। यात्रा प्रबंधन को लेकर प्रशासन और मंदिर समिति ने तैयारियां तेज कर दी हैं। घोषणा कार्यक्रम में केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग, केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कपरवाण, मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल, मंदिर समिति सदस्य, धमार्चार्य, वेदपाठी, हक-हकूकधारी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

यूएई के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा अफगानिस्तान

दोनों टीम अपने पिछले मुकाबलों में विपरीत परिणामों के साथ इस मुकाबले में उतर रही

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में सुपर ओवर की हार से आहत अफगानिस्तान सोमवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के करो या मरो के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके सुपर आठ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखने की कोशिश करेगा।

दोनों टीम अपने पिछले मुकाबलों में विपरीत परिणामों के साथ इस मुकाबले में उतर रही हैं। यूएई ने कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि अफगानिस्तान को अपने पिछले मैच में दो सुपर ओवर तक खींचे जाने के बावजूद दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा। इसे टी20 के सबसे शानदार मैचों में से एक बताया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड क्रमशः छह और चार अंकों के साथ ग्रुप डी में शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं, ऐसे में यूएई की क्वालीफाई करने की उम्मीदें जीत और अन्य मैचों में अनुकूल परिणामों के अनुकूल रहने पर टिकी हैं।

फोटोः हि.स.

दूसरी ओर अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद अपना खाता खोलने के लिए बेताब होगा। उसे न केवल अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे, बल्कि प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी थी और जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे जीत हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। कनाडा के खिलाफ यूएई के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाज विशेष रूप से संघर्ष करते दिखे। लेकिन सलामी बल्लेबाज आर्यंश शर्मा (53 गेंदों में 74 रन) ने पारी को संभाला। इसके बाद शोएब खान की 29 गेंदों में 51 रन की पारी ने टीम को शानदार वापसी दिलाने में मदद की। हालांकि यूएई की बल्लेबाजों को अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी की मजबूत स्पिन तिकड़ी के सामने कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। कनाडा पर जीत के बाद यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम ने कहा था, मुझे लगता है कि हमें सातवें से 15वें और 16वें ओवर तक बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। हमें इस पर ध्यान देना होगा। इसलिए आगामी मैचों में हम इस पर काम करेंगे और खेल का यही वह हिस्सा है जिस पर हमें काम करना होगा। यूएई की गेंदबाजी इकाई ने कनाडा के खिलाफ लय हासिल कर ली, जिसमें तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट लिए, लेकिन रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजाई जैसे बल्लेबाजों को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत पड़ेगी।

टीम इस प्रकार है

यूएईः मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, आर्यांश शर्मा, ध्रुव पराशर, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मयंक कुमार, मुहम्मद अरफान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, हैदर शाह, रोहिद खान, सोहैब खान, सिमरनजीत सिंह।

अफगानिस्तानः राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), दरविश रसूली, मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, शाहिदुल्लाह, अब्दुल्ला अहमदजई, फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, जियाउर रहमान।

मैच सुबह 11 बजे शुरू होगा।

अपनी पूरी क्षमता के काफी करीब पहुंच गया है दक्षिण अफ्रीका: मार्क्रम

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

फोटोः हि.स.

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्क्रम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ी जीत के बाद कहा कि उनकी टीम टी20 विश्व कप में अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने के काफी करीब पहुंच गई है। दक्षिण अफ्रीका ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले न्यूजीलैंड को 175 रन पर रोक दिया और फिर आसानी से लक्ष्य हासिल कर दिया। मार्क्रम ने मैच के बाद संवाददाताओं से के कहा, आज हम अपनी पूरी क्षमता के काफी करीब पहुंच गए। मुझे लगता है कि हमने सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया। इस पिच पर माना जा रहा था कि 200 रन से अधिक का स्कोर बनेगा। ऐसे में उन्हें कम स्कोर पर रोकना बहुत अच्छा प्रयास था। पिच वास्तव में बहुत अच्छी थी और खेल आगे बढ़ने के साथ-साथ बेहतर होती गई।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने अपने गेंदबाजों की चतुराई से परिस्थितियों को समझने और आत्मविश्वास के साथ अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने की सराहना की। उन्होंने कहा, यह कोई तय योजना नहीं है। यह काफी हद तक बल्लेबाजों के खेलने के तरीके पर निर्भर करता है। अगर कोई बल्लेबाज पूरी क्षमता से खेलने की कोशिश कर रहा है और आप पर हावी होना चाहता है तो आपको उसके अनुसार गेंदबाजी करनी होगी और ऐसा गेंद की गति में बदलाव से भी किया जा सकता है।

मार्क्रम ने कहा, खेल के दौरान कुछ ऐसे अवसर भी आ सकते हैं जहां चीजें मुश्किल हो सकती हैं। यह एक नाजुक संतुलन है। लेकिन आज हमने परिस्थितियों के अनुसार खेला और सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि क्षेत्ररक्षण की सजावट गेंदबाज अपने हिसाब से करते हैं। इससे तेज गेंदबाजी करने या बीच में धीमी गेंद करने में लचीलापन आता है। मार्क्रम ने कहा, यह आपको व्यापक विकल्प और सीधे विकल्प भी देता है। अधिकतर टीमें इसी लचीलेपन की तलाश में रहती हैं, जो गेंदबाज के प्रकार और पिच की प्रकृति के अनुसार हो। वेस्टइंडीज का नेपाल के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने नेपाल के खिलाफ रविवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

महाशिवरात्रि पर्व पर क्रिकेट सितारों ने दीं शुभकामनाएं

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

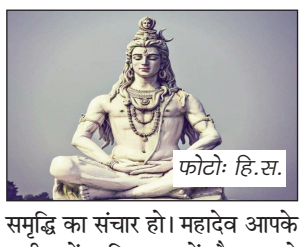
फोटोः हि.स.

देशभर में रविवार को भगवान भोलेनाथ की आराधना और उपासना का पावन पर्व महाशिवरात्रि श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट जगत के कई दिग्गजों ने भी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और सुख-समृद्धि की कामना की।

पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने अपने संदेश में शिव स्तुति की पंक्तियां साझा कीं– करचरण कृतं वाक्कायजं कर्मजं वा।श्रवणनयनजं वा मानसं वापराधम्।।विहितमविहितं वा सर्वमेतत क्षमस्व।जय जय करुणाब्धे श्रीमहादेव शम्भो।।इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का संचार हो। महादेव आपके सभी कष्टों का निवारण करें और आपको धर्म, साहस एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर रखें। ॐ नमः शिवाय। हर हर महादेव। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने अपने संदेश में लिखा, शिव ही सत्य हैं, शिव ही सुंदर हैं, शिव ही अनंत हैं। हम सभी के जीवन में शिव जैसी स्थिरता, गंगा जैसी पवित्रता और नंदी जैसी निष्ठा आए। आपको सपरिवार महाशिवरात्रि की अनंत मंगलकामनाएं।भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर लिखा, हर हर महादेव। इस महा शिवरात्रि पर सभी को शांति और शक्ति की कामना।

श्रीलंका के खिलाफ स्मिथ को टीम में शामिल कर सकता है ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी (हि.स.)
पल्लीकल (श्रीलंका)

फोटोः हि.स.

चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप ग्रुप बी के महत्वपूर्ण मुकाबले में बिना किसी अगर मगर के सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवित रखने के लिए अनुभवी स्टीव स्मिथ को टीम में शामिल करने पर विचार कर सकती है।

पिछले मैच में जिम्बाब्वे से 23 रन की हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अब उन्हें सुपर आठ में पहुंचने के लिए ओमान और श्रीलंका के खिलाफ अपने दोनों ग्रुप मैचों में जीत हासिल करनी होगी, ताकि वे अन्य टीमों परिणामों पर निर्भर न रहें। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल ग्रुप तालिका में दो मैचों में दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में खेल रही 2021 की चैंपियन टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ शीर्ष क्रम के नाटकीय पतन के बाद 146 रन पर आउट हो गई थी। कप्तान मिचेल मार्श चोटिल होने के कारण लगातार दूसरे मैच में नहीं खेल पाए। स्मिथ को मार्श के कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी को हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। ऑस्ट्रेलिया उन्हें बिना किसी खिलाड़ी को बदले टीम में शामिल कर सकता है, क्योंकि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोट के कारण बाहर होने के बाद उनके पास एक स्थान खाली है। स्पिन के खिलाफ स्मिथ का अच्छा रिकॉर्ड और इस प्रारूप में उनका हाल का शानदार प्रदर्शन टीम में शामिल किए जाने पर ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह राहत की बात है कि ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस को पिछले मैच में अपने बाएं हाथ पर लगी चोट के बाद फिट घोषित कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया को संन्यास ले चुके मिचेल स्टार्क, चोटिल पैट कमिंस और हेजलवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की कमी भी महसूस हो रही है। नाथन एलिस ने प्रभावित किया है लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस और जेवियर बार्टलेट महंगे साबित हुए हैं। लेकिन अगर कोई टीम हालात को पलट सकती है तो वह ऑस्ट्रेलिया है। ऑस्ट्रेलिया की इस टीम को भारत में हुए 2023 वनडे विश्व कप के दौरान भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। उस समय भी श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत ने उनके लिए हालात बदल दिए, जिसके बाद उन्होंने फाइनल समेत नौ मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जिम्बाब्वे से हार के बाद कार्यवाहक कप्तान ट्रैविस हेड ने कहा था, हम पहले भी ऐसी स्थिति का सामना कर चुके हैं। हमने 2023 में कुछ हार और चोटों के कारण पहले भी इस तरह की स्थिति देखी है। हमारे पास यहां कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो 2023 में भारत में खेल चुके हैं और हम इस स्थिति से निपटने और उस रणनीति का उपयोग करने की कोशिश करेंगे।

टीम इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शियस, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा, स्टीव स्मिथ (मिचेल मार्श के कवर के रूप में)।

श्रीलंकाः दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, डुनिथ वेललागे, महेश तीक्षना, दुष्मंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, प्रमोद मदुशन, दुशान हेमंथा।

मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होगा।

राउरकेला में बेल्जियम ने भारत को 4-2 से हराया, पेनल्टी कॉर्नर बने निर्णायक

एजेंसी (हि.स.)
राउरकेला

फोटोः हि.स.

एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में भारत को बेल्जियम के खिलाफ रीमैच में 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले में बेल्जियम ने पहले हाफ में आक्रामक खेल दिखाते हुए बढ़त बना ली, जिसे भारत दूसरे हाफ में पूरी तरह पाट नहीं सका।

बेल्जियम की पुरुष हॉकी टीम ने शुरूआत से दबाव बनाया और पेनल्टी कॉर्नर का बेहतरीन उपयोग किया। 11वें मिनट में ह्यूगो लाबुचेरे ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर खाता खोला। इसके बाद अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 14वें और 17वें मिनट में दो ड्रैग-फ्लिक गोल कर बढ़त 3-0 कर दी। पहले क्वार्टर के अंत में आर्थर डी स्लोवर ने एक और गोल जोड़कर स्कोर 4-0 कर दिया।

चार गोल से पिछड़ने के बाद भारतीय हॉकी टीम ने वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में आदित्य लालगे ने रीबाउंड पर गोल कर अंतर कम किया। तीसरे क्वार्टर में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 4-2 कर दिया।

भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने कई अहम बचाव किए, जबकि बेल्जियम के गोलकीपरलोइक वैन डोरेन ने भी बढ़त को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई। अंतिम क्वार्टर में भारत ने तेज खेल दिखाया, लेकिन बेल्जियम की सुदृढ़ रक्षा पंक्ति ने कोई और मौका नहीं दिया।

यह मुकाबला एफआईएच पुरुष प्रो लीग के तहत बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेला गया। इस जीत के साथ बेल्जियम ने राउरकेला चरण में भारत पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

खाना-खजाना दर्पण

मूंगफली से सिर्फ चटनी नहीं, बनाएं सब्जी भी

स्वाद चाहिए और सेहत भी चाहिए, वो भी बहुत कम खर्च में तो मूंगफली को अपने खाने में शामिल करें। अब आप कहेंगी, आप पहले से ही मूंगफली का सेवन करती हैं, कभी मूंगफली की चटनी के रूप में तो कभी रोस्टेड मूंगफली के तौर पर एक स्नैक्स के रूप में। लेकिन क्या कभी आपने मूंगफली को अपने भोजन का मुख्य व्यंजन बनाया है? मूंगफली को हम अक्सर चटनी, नमकीन या हल्की भूख मिटाने वाला स्नैक मान लेते हैं। लेकिन सच ये है कि मूंगफली एक पूरी सब्जी बनने की काबिलियत रखती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और ग्रामीण उत्तर भारत में मूंगफली की सब्जी पीढ़ियों से बनती आ रही है। यह एक सादा, पौष्टिक और पेट भर देने वाली रेसिपी है। अगर रोज-रोज की सब्जियों से मन ऊब गया है, तो यह रेसिपी रसोई में ताजी हवा बनकर आएगी। मूंगफली प्रोटीन और हेल्दी फैट से भरपूर होती है। इसका सेवन लंबे समय तक पेट भरा रखती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए फायदेमंद है और बिना ज्यादा मसालों के भी स्वादिष्ट बनता है। अब इतने फायदे हैं तो क्यों न लंच या डिनर में मूंगफली की सब्जी बनाई जाए। यहां मूंगफली की सब्जी बनाने की सामग्री और पूरी विधि दी जा रही है।

सब्जी बनाने के लिए सामग्री

कच्ची मूंगफली (छिली हुई) - 1 कप
प्याज- 1 (बारीक कटा)
टमाटर - 1 (पिसा हुआ)
लहसुन - 5-6 कलियां
हरी मिर्च - 1 (वैकल्पिक)
हल्दी - आधा छोटा चम्मच
धनिया पाउडर - 1 टीस्पून
लाल मिर्च - स्वादानुसार
जीरा - आधा छोटा चम्मच
सरसों का तेल या मूंगफली का तेल - 2 टेबलस्पून
नमक - स्वादानुसार
हरा धनिया - सजाने के लिए

मूंगफली की सब्जी बनाने की विधि

स्टेप 1- सबसे पहले मूंगफली को हल्का उबाल लें या कुकर में 1 सीटी लगा लें। ध्यान रहे मूंगफली गल जाए, लेकिन टूटे नहीं।
स्टेप 2- अब सब्जी का तड़का बनाएं। इसके लिए कढ़ाही में तेल गरम करें।
स्टेप 3- उसमें जीरा डालें। फिर लहसुन और हरी मिर्च डालकर खुशबू आने तक भूनें।
स्टेप 4- अब प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।
स्टेप 5- इसके बाद टमाटर प्यूरी, हल्दी, धनिया पाउडर और लाल मिर्च डालें।
स्टेप 6- मसाला तब तक भूनें जब तक तेल अलग न दिखने लगे।
स्टेप 7- इसमें उबली मूंगफली डालें और हल्का पानी डालकर 8-10 मिनट धीमी आंच पर पकाएं।
स्टेप 8- ध्यान रखें कि ग्रेवी ज्यादा गाढ़ी न रखें। थोड़ी रसीली ही स्वाद बढ़ाती है।
स्टेप 9- नमक डालें, ऊपर से हरा धनिया छिड़कें और गैस बंद कर दें।

गरम-गरम बाजरे या ज्वार की रोटी के साथ सर्व करें।

बनाते समय लहसुन-प्याज न डालें तो व्रत में भी सेवन कर सकते हैं।

कम सामग्री में घर पर बनाएं स्ट्रीट-स्टाइल मिक्स पकौड़े

जब अचानक कुछ चटपटा खाने का मन करे या मेहमान बिना बताए आ जाएं, तब मिक्स पकौड़े सबसे आसान और पसंदीदा विकल्प बन जाते हैं। मिक्स पकौड़े कई तरह की सब्जियों से बनते हैं, जिससे ये स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी होते हैं। खास बात ये है कि इन्हें बनाने में ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं होती और ये सिर्फ 15 मिनट में तैयार हो जाते हैं। सर्दी का मौसम हो तो गरमा-गरम मिक्स पकौड़े चाय के साथ खाने का मजा ही कुछ और होता है। बेसन और देसी मसालों से बने ये पकौड़े बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होते हैं। घर में मौजूद साधारण सब्जियों से तैयार होने वाली यह रेसिपी हर उम्र के लोगों को पसंद आती है और इसे कोई भी आसानी से बना सकता है।

ये है सरल विधि

सबसे पहले एक बड़ा और सूखा बर्तन लें। इसमें 1 कप बेसन डालें और उसके बाद प्याज, आलू, गोभी, पनीर, मिर्च या अन्य उपलब्ध कटी हुई सब्जियां डालें। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, हल्दी, लाल मिर्च, अजवाइन और स्वादानुसार नमक डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह सूखे हाथ या चम्मच से मिला लें, ताकि मसाले सब्जियों में बराबर फैल जाएं। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए बेसन को मिलाएं। ध्यान रखें कि एक साथ ज्यादा पानी न डालें, वरना घोल पतला हो जाएगा। घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि सब्जियां उसमें अच्छी तरह लिपटी रहें और टपकें नहीं। चाहें तो कुरकुरापन बढ़ाने के लिए एक चुटकी बेकिंग सोडा या चावल का आटा मिला सकते हैं। अब कढ़ाही में पर्याप्त तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। तेल सही गरम है या नहीं, यह जांचने के लिए एक बूंद घोल डालें। अगर वह तुरंत ऊपर आ जाए तो तेल तैयार है। अब चम्मच या हाथ से थोड़ा-थोड़ा घोल लेकर तेल में डालें। एक बार में ज्यादा पकौड़े न डालें।पकौड़ों को पलट-पलट कर मध्यम आंच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। तैयार पकौड़ों को टिश्यू पेपर पर निकाल लें और हरी चटनी या सॉस के साथ गरमा-गरम परोसें।

पकौड़े बनाने का सामान

बेसन - 1 कप
प्याज - 1 बारीक कटा
आलू - 1 छोटा पतले स्लाइस में
फूल गोभी - आधा कप
मिर्च
पनीम
हरी मिर्च - 1 बारीक कटी
अदरक - 1 छोटी चम्मच कद्दूकस
हल्दी - आधा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर - 1 चम्मच
अजवाइन - आधा चम्मच
नमक - स्वादानुसार
पानी - आवश्यकतानुसार
तेल - तलने के लिए

जाने डोसा बनाने की आसान विधि

डोसा, दक्षिण भारतीय खाने का एक बेहद लोकप्रिय और स्वादिष्ट व्यंजन है। ये खाने में जितना स्वादिष्ट लगता है, उतना ही इसे बनाना कठिन है। इसकी तैयारी में सबसे कठिन काम है दाल और चावल को रातभर भिगोकर फिर अगले दिन उसे पीसना। इसी झंझट की वजह से बहुत से लोग तो डोसा बनाते ही नहीं हैं। पर, क्या आप जानते हैं कि आप इंस्टेंट भी डोसा बनाकर तैयार कर सकते हैं। दरअसल, चावल के आटे की मदद से आसानी से और जल्दी डोसा तैयार किया जा सकता है। ये तरीका न केवल समय बचाता है बल्कि नए टेस्ट के साथ क्रिस्पी और गोल्डन ब्राउन डोसा बनाने में भी मदद करता है। इस विधि से आप चाहें तो सादे डोसा के साथ विभिन्न चटनी और सांभर का आनंद ले सकते हैं। बच्चों और बड़ों को यह तरीका बहुत पसंद आएगा, क्योंकि यह पारंपरिक स्वाद को बनाए रखते हुए तैयार करना बेहद आसान है।

चावल का डोसा कैसे बनाएं

चावल के आटे से डोसा बनाने के लिए सबसे पहले एक कप चावल का आटा लें और इसमें धीरे-धीरे आधा कप पानी डालकर घोल तैयार करें। ध्यान रखें कि घोल न बहुत पतला हो और न ही ज्यादा गाढ़ा, क्योंकि इसकी स्थिरता डोसा की क्रिस्पी टेक्सचर और फैलाव को तय करेगी। अब इसमें स्वादानुसार नमक मिलाएं और घोल को लगभग 5-8 मिनट के लिए अलग रख दें। अब इसमें हरी मिर्च, धनिया पत्ती, जीरा और चिली फ्लैक्स डालें, ताकि आप इसे सिर्फ चटनी के साथ भी खा सकें। घोल तो तैयार होने के बाद तवा या नॉन-स्टिक पैन को मध्यम आंच पर अच्छी तरह गर्म करें और हल्का तेल या घी लगाएं ताकि डोसा चिपके नहीं। जब तवा तैयार हो जाए, तो एक छोटी कटोरी की मदद से घोल लेकर तवे पर बीच से बाहर की ओर गोलाकार फैलाएं। डोसा जितना पतला फैलेगा, उतना ही कुरकुरा और हल्का बनेगा।

अब इसे मध्यम आंच पर दो से तीन मिनट तक पकने दें। ध्यान दें कि डोसा के किनारे हल्के सुनहरे और कुरकुरे होने लगें। इस समय आप ऊपर से थोड़ा सा घी या तेल डालकर स्वाद बढ़ा सकते हैं। डोसा तैयार होने के बाद इसे तुरंत परोसें। इसे नारियल चटनी, हरी धनिया चटनी या गरमागरम सांभर के साथ खाया जा सकता है। आप इसे सिर्फ चटनी के साथ भी खा सकते हैं, क्योंकि इसमें आपने पहले से ही थोड़े मसाले डाल रखें हैं।

एक्स्ट्रा टिप- डोसा हमेशा मध्यम आंच पर पकाएं ताकि यह भीतर से पूरी तरह पके और बाहर से कुरकुरा बने। बचे हुए डोसे को बाद में हल्का सेक कर भी परोसा जा सकता है। इस आसान विधि से आप पारंपरिक दाल भिगोने की झंझट को छोड़कर जल्दी और स्वादिष्ट डोसा तैयार कर सकते हैं।

आर्मी स्टेशन अबोहर में भव्य पूर्व सैनिक रैली आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारतीय सेना की अमोघ डिवीजन ने सप्त शक्ति कमान के मुख्यालय के अधीन 15 फरवरी 2026 को अबोहर मिलिट्री स्टेशन में पूर्व सैनिक रैली एवं चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया। यह रैली पंजाब के तीन जिलों फाजिल्का, श्री मुक्तसर साहिब एवं फरीदकोट तथा राजस्थान के दो जिलों श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ के पूर्व सैनिकों के लिए आयोजित की गई। इस अवसर पर क्षेत्र के 3000 से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, वीर माताओं एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह; आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमान, श्रीमती बरिंदर जीत कौर; क्षेत्रीय अध्यक्ष, सप्त शक्ति अहहअ , लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क; जीओसी, चेतक कोर तथा नागरिक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों एवं विभिन्न कल्याणकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर नागरिक प्रशासन द्वारा निरंतर सहयोग, समयबद्ध लाभ वितरण एवं पूर्व सैनिक कल्याण तंत्र के साथ सुव्यवस्थित समन्वय सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ एपीएस, अबोहर के विद्यार्थियों एवं सैन्य पाइप बैंड द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ, जिसमें सैनिक जीवन की भावना तथा राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया गया।

विभिन्न रिकॉर्ड कार्यालय, बैंक, पुलिस, एमएसएमई और सरकारी कल्याण एजेंसियाँ, जिनमें एडब्ल्यूपीओ, ईसीएचएस एवं ज़िला सैनिक बोर्ड द्वारा पूर्व सैनिकों की शिकायतों के निवारण, दस्तावेज अद्यतन, पेंशन से संबंधित प्रश्नों और रोजगार अवसरों में सहायता के लिए हेल्प डेस्क और स्टॉल स्थापित किए। एक मेडिकल कैंप में उपस्थित लोगों के लिए व्यापक स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया।

आर्मी कमांडर ने अपने संबोधन में पूर्व सैनिकों को आश्वस्त किया कि सप्त शक्ति कमान नियमित संवाद, सहभागिता, सशक्तिकरण, सम्मान एवं समग्र देखभाल के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। रैली का समापन सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें वीर नारियों, वीर माताओं एवं युद्ध में घायल पूर्व सैनिकों को उनके विशिष्ट योगदान एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, दिव्यांग पूर्व सैनिकों को विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जिनमें तीन पहियों वाली तीन ई-स्कूटीयां, चौबीस व्हीलचेयर, छब्बीस श्रवण यंत्र, पचास चलने की छड़ियाँ, दस बीपी मशीनें तथा दस ऑक्सीमीटर शामिल हैं। साथ ही, उन्हें पर्याप्त आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।

पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों ने रैली के सफल आयोजन के लिए भारतीय सेना एवं राज्य सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन उन्हें पुनः जुड़ने, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा विभिन्न एजेंसियों से प्रत्यक्ष सहायता लेने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

सप्त शक्ति कमान पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के प्रति दृढ़ संकल्पित है। पूर्व सैनिक रैली 2026 भारतीय सेना और उसके पूर्व सैनिकों के बीच अटूट संबंध का प्रतीक है, जो राष्ट्र के सामूहिक सम्मान, कृतज्ञता और दायित्व को पुनः स्थापित करता है। यह आयोजन इस तथ्य को भी रेखांकित करता है कि पूर्व सैनिक कल्याण एक साझा राष्ट्रीय दायित्व है, जिसके लिए सेना, नागरिक प्रशासन एवं समाज के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

राजकीय महाविद्यालय कालका में परवाज 2026 का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या डॉक्टर गीता सुखीजा के कुशल नेतृत्व में दो दिवसीय परवाज 2026 कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

प्राचार्या डॉक्टर गीता सुखीजा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा , परवाज का अर्थ है उड़ान, यह केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि हमारे विद्यार्थियों के सपनों, प्रतिभाओं और आकांक्षाओं की ऊंची उड़ान का प्रतीक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ है व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास। सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, कला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्यिक प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं। ऐसे कार्यक्रम आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं और टीम भावना को सुदृढ़ बनाते हैं।

वाद्य यंत्र बजाने में शुभम प्रथम स्थान पर, कामिनी द्वितीय स्थान पर और रवि तृतीय स्थान पर रहे। हरियाणवी गायन में मुस्कान प्रथम स्थान पर, निलाक्षी द्वितीय स्थान पर और चाशना तृतीय स्थान पर रही। जनरल गायन में रवि प्रथम स्थान पर, चाशना द्वितीय स्थान पर और मुस्कान तृतीय स्थान पर रही। हरियाणवी नृत्य सोलो में निशा प्रथम स्थान पर, तनिका द्वितीय स्थान पर, अंशिका तृतीय स्थान पर रही। जनरल नृत्य सोलो में निशा ने प्रथम स्थान, तमन्ना ने द्वितीय स्थान और सृष्टि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला में अंजलि ने प्रथम स्थान, शिवानी ने द्वितीय स्थान और संजना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली में रितु ने प्रथम स्थान, वंदना ने द्वितीय स्थान और शबाना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में ऋतु शुक्ला ने प्रथम स्थान, रोहित कुमार ने द्वितीय स्थान और हर्ष प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

काव्य गोष्ठी हिंदी में वंशिका ने प्रथम स्थान, लक्ष्मी ने द्वितीय स्थान और प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य गोष्ठी अंग्रेजी में तमन्ना ने प्रथम स्थान, सृष्टि ने द्वितीय स्थान और प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य गोष्ठी पंजाबी में शबाना ने प्रथम स्थान, प्रिया ने द्वितीय स्थान और दिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य गोष्ठी संस्कृत में नेहा ठाकुर ने प्रथम स्थान, भूमिका ने द्वितीय स्थान और गुरविंदर सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में गुंजन ने प्रथम स्थान, तनीषा ने द्वितीय स्थान और सृष्टि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मिमिक्री में यतिन ने प्रथम स्थान, प्रिया ने द्वितीय स्थान और तमन्ना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मोनो एक्टिंग में प्रिया ने प्रथम स्थान, तमन्ना ने द्वितीय स्थान और यतिन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रस्तुत कार्यक्रम सांस्कृतिक समिति के प्रभारी डॉक्टर जगपाल और सदस्य असिस्टेंट प्रोफेसर नीतू, डॉक्टर गीता, डॉक्टर नमिता, डॉ सोनाली, डॉक्टर प्रदीप, डॉक्टर भैरवी और तबला वादक वरुण शर्मा के मार्गदर्शन और दिशा निर्देशन में किया गया।

शिवरात्रि पर श्री हरि संकीर्तन मंदिर में उमडा श्रद्धालुओं का सैलाब, शिवालय में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

शिवरात्रि के मौके पर मोहाली के लगभग सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड देखने को मिली, वहीं एक ओर जहां मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी लाइन देखने को मिली, दूसरी फेस-5 स्थित श्री हरि संकीर्तन मंदिर में मंदिर परिसर से लेकर सरकारी स्कूल तक लाइनों में शिव भक्तों को अपने हाथों में पूजा-समाग्री लेकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखा गया ।

गौरतलब है कि मंदिर में सुबह चार बजे से ही मंदिर के कपाट खोल दिए गए थे और उससे पहले ही श्रद्धालु मंदिर में भगवान शिव को जलाभिषेक करने के लिए मंदिर के बाहर देखे गए, जबकि देर शाम को मंदिरों में भजन कीर्तन भी रखा गया जिसमें श्रद्धालु भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया और जमकर भक्ति के भाव में झूमते नजर आए । इस दौरान मंदिर के मौजूदा अध्यक्ष महेश चन्द्र मनन व उनकी समूची टीम ने बताया कि शिवरात्रि के दिन मंदिर कमेटी और खास करके युवाओं की ओर से निःस्वार्थ भाव से आने वाली संगत की सेवा की गई और मंदिर में किसी को किसी तरह की परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा गया । उनहोंने बताया कि मंदिर की कमेटी और सीनियर पदाधिकारियों की ओर से एक एक काम को सिरे चढाने के लिए सुपरवीजिन का काम भी किया गया । इस मौके पर मंदिर कमेटी के संपूर्ण सदस्य सुरेंद्र सचदेवा, किशोरी लाल, राम अवतार शर्मा, शिवकुमार राणा, सुखराम, हरजीत बेदी, धीमान, राजकुमार गुप्ता, बलराम धनवान, प्रमोद सोबती, कृष्ण कुमार शर्मा संपूर्ण सदस्यों ने शोभायात्रा का स्वागत कियास महिला मंडल राजबाला की समूची टीम ने भरपूर योगदान किया । मंदिर में सुबह से लेकर देर रात तक अटूट भंडारे व विभिन्न तरह के प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चला और श्रद्धालुओं को भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए देखा गया ।

महाशिवरात्रि पर्व पर लक्ष्य ज्योतिष संस्थान चंडीगढ़ ने लगाया तेहरवां विशाल भंडारा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

लक्ष्य ज्योतिष संस्थान चंडीगढ़ की ओर से आज महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में सैकटर 29 में शिव भक्तों के लिए तेहरवे भण्डारे का आयोजन किया गया। संस्थान के चेयरमैन ज्योतिषचार्य रोहित कुमार, प्रेजिडेंट पीयूष कुमार की देखरेख में इस भण्डारे का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विख्यात समाजसेवी रविन्द्र सिंह बिल्ला और समाजसेवी प्रवीण कुमार टीटू जी भी विशेष रूप से उपस्थित हुए। सबने अपने आराध्य देव भगवान शिव की पूजा अर्चना और स्तुति कर आशीर्वाद लिया और समस्त मानव कल्याण की मंगल कामना की। ज्योतिषचार्य रोहित कुमार, प्रेजिडेंट पीयूष कुमार, रविन्द्र सिंह बिल्ला और प्रवीण शर्मा टीटू व विक्टर सिद्धू सहित तम्मना वर्मा व लक्ष्य ज्योतिष संसथान के ज्योतिष विधार्थियों ने भण्डारे की सेवा में योगदान दिया।

ज्योतिषचार्य रोहित कुमार ने बताया कि संस्थान की ओर से प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में पिछले 12 वर्षो से भण्डारे का आयोजन करते आ रहे है और यह 13वां वर्ष है। आज भी सुबह भगवान शिव भोले की पूजा अर्चना और अभिषेक उपरांत बाबा के भक्तों के लिए भण्डारा, प्रसाद वितरित किया गया। जिसमें कैलाश मानसरोवर से लाया जल उपयोग किया गया।

रविन्द्र सिंह बिल्ला और प्रवीण शर्मा टीटू ने समस्त जन को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए ज्योतिषाचार्य रोहित कुमार द्वारा पिछले 13 वर्षो से चलाए जा रहे लँगर भंडारा की सराहना की और महादेव से उनके द्वारा किये जा रहे इस नेक कार्य के ताउम्र चलाते रहने की मंगलकामना की।

संक्षिप्त-समाचार

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), मोहाली में आज स्थापना दिवस समारोह

मोहाली। नाईपर, मोहाली रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, औषध विभाग, भारत सरकार के अधीन नाईपर अधिनियम, 1998 के अंतर्गत स्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है जो अपना स्थापना दिवस सोमवार, 16 फरवरी 2026 को अपराह्न 3.00 बजे से नाईपर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित करेगा। इस अवसर पर प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी, निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मोहाली मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित हैं तथा ह्ल हार्नेस्सिंग द पोटेंशियल फ मेडिसिनल प्लांट्स : ऑपरच्यूनिटीज एण्ड चैलेंजिजह्व विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। डॉ. चंद्रशेखर नायर, कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ), मोलबायो डायग्नोस्टिक्स एवं बिगटेक लैब्स, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा सभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रो. दुलाल पांडा, निदेशक, नाईपर, मोहाली, संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान कार्यों, पेटेंट, प्लेसमेंट, समझौता ज्ञापनों तथा प्रसार एवं जनसंपर्क गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख किया जाएगा। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण रोश प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड तथा विनायक मिशनस रिसर्च फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान होगा, जो अनुसंधान, नवाचार एवं शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स, स्ट्रेंथनिंग इंडिया टुगेदर विषय पर सुश्री शीतल रंगनाथन, मुख्य रणनीति अधिकारी, रोश द्वारा विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण, 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों का सम्मान तथा वर्ष 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य, वैज्ञानिक, कर्मचारी, विद्यार्थी तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों से आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति अपेक्षित है।

डीडीए ने हरियाली को बढ़ावा देने के लिए कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए

चंडीगढ़। टिकाऊ शहरी विकास के अगले चरण को आकार देने और हरित दिल्ली की दिशा में प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए दिल्ली के माननीय उप राज्यपाल श्री वीके सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी के बांसेरा में प्रथम डीडीए ग्रीन एक्सपो का उद्घाटन किया। वृद्धि से परेः शहरी भविष्य की नई परिकल्पना थीम के तहत इस दो दिवसीय एक्सपो में वरिष्ठ अधिकारी, शहरी नियोजनकर्ता, जलवायु विशेषज्ञ और उद्योग के भागीदार एक साथ आ रहे हैं। इसके अलावा, दिल्ली के सार्वजनिक स्थलों के भविष्य में एक परिवर्तनकारी क्षण के तहत अग्रणी राष्ट्रीय संस्थानों के साथ विभिन्न सहमति पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दशार्ते हुए माननीय उप राज्यपाल ने डीडीए ग्रीन्स लोगो और डीडीए ग्रीन्स ईयरबुक 2026 का भी अनावरण किया। ग्रीन एक्सपो का उद्घाटन करते हुए माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि यह एक्सपो दिल्ली के लिए एक अधिक हरे-भरे, स्वस्थ और अधिक आशापूर्ण भविष्य को लेकर हमारी प्रतिबद्धता मजबूत करता है।

केशव मेमोरियल समिति और वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ के रक्तदान शिविर में 54 यूनिट रक्त एकत्र हुआ

चंडीगढ़ । केशव मेमोरियल समिति और वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ, सेक्टर 61 के सक्रिय सहयोग से पीजीआई की टीम के समन्वय से, आरडब्ल्यूए सेक्टर 61, चंडीगढ़ ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। आरडब्ल्यूए 61 के अध्यक्ष सुरेश गर्ग ने भाजपा, चंडीगढ़ के पूर्व अध्यक्ष संजय टंडन का स्वागत किया। आरएसएस से मुनिसार, गोपाल शुक्ला, वरिष्ठ उप महापौर जसमनप्रीत सिंह और भाजपा चंडीगढ़ की टीम भी इस अवसर पर उपस्थित हुए। 54 खूनदाताओं ने रक्तदान किया। ये जानकारी संस्था के सचिव शीश पाल ने दी।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

सिटीदर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से ह्लएआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्सः रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशनह्व वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

करणी सेना ने संगठन का किया विस्तारः 8 मार्च को दिल्ली रामलीला मैदान में रोष प्रदर्शन की घोषणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ में करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंह चौहान (राष्ट्रीय अध्यक्ष) द्वारा संगठन का विस्तार किया गया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर विजय सिंह राणा व प्रदेश महामंत्री विजय ठाकुर व प्रदेश मंत्री विरेंद्र सिंह व युवा प्रभारी अजय राणा पर विश्वास जताते हुए पदाधिकारी नियुक्त किया गया हैं।

प्रेस वार्ता के दौरान करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंह चौहान ने करणी सेना द्वारा 8 मार्च, 2026 को दिल्ली रामलीला मैदान में अपनी मांगों के समर्थन में होने वाले एक विशाल रोष प्रदर्शन की भी घोषणा की। उन्होंने इस रोष प्रदर्शन में सभी सवर्ण समाज के पहुँचने का आह्वान किया और बताया कि चालीस संगठनों को एक करके सवर्ण समाज समन्वय समिति का गठन किया गया। जिसकी अध्यक्षता ₹स्वामी आनंद स्वरूप जी महाराज₹ करेंगे।

प्रेस वार्ता में उपस्थित पदाधिकारी उत्तरप्रदेश प्रभारी दुष्यंत राणा, आशीष प्रसाद आर्य, जितेंद्र सिंह राणा, दिलीप राणा, प्रीतम राणा, जतिन राणा, सौरव बिंदल आदि उपस्थित रहे।

मानव मंगल हाई स्कूल-21 के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने जीता सबका दिल

इक्लैट जूनियर्स में संगीत और नृत्य से सजी प्रस्तुतियों में निखरा कला और संस्कार का रंग

सिटीदर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

रंग, संगीत और आत्मविश्वास से भरे माहौल में मानव मंगल हाई स्कूल-21 का वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम इक्लैट जूनियर्स शनिवार को मोहाली स्थित मानव मंगल स्मार्ट स्कूल के सभागार में आयोजित किया गया, जहां नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सबका दिल जीत लिया। पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर उतरे नर्सरी से दूसरी क्लास के छात्र-छात्राओं की मनमोहक अदाओं ने दर्शकों का दिल जीत लिया और सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। अपने बच्चों को मंच पर प्रस्तुति देते देख अभिभावक भी भावुक और उत्साहित नजर आए। उन्होंने इन यादगार पलों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया और बच्चों का हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों ने भगवान गणेश की मनमोहक वंदना से की। आनंद और एकता के प्रतीक विघ्नहर्ता गणेश का आह्वान करते हुए बच्चों ने गणेश वंदना पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी और अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से दिव्यता का वातावरण बना दिया। इसके बाद माय ग्रैंडपेरेंट्स, माय ट्रेजर प्रस्तुति के माध्यम से दादा-दादी और नाना-नानी के हमारे जीवन में अनमोल स्थान को भावपूर्ण तरीके से दशार्या गया। इस प्रस्तुति ने पीढ़ियों के बीच के अटूट रिश्ते को उजागर किया। नन्हे कलाकारों ने इतनी संवेदनशीलता और सच्चाई से अभिनय किया कि कई दर्शकों की आंखें नम हो गईं। अकेले हम बहुत कम कर सकते हैं, लेकिन साथ मिलकर हम बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं– टीमवर्क की इसी सुंदर भावना को दशार्ते हुए नन्हे कलाकारों ने द एंट्स एंड द ग्रासहॉपर की प्रसिद्ध कहानी को मनमोहक संगीतात्मक प्रस्तुति के रूप में जीवंत कर दिया।

इसके बाद रिदमिक रिचुअल्स शीर्षक से प्रस्तुत एक प्रभावशाली नृत्य नाटिका में दहेज जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रहार किया गया और पुरानी रूढ़ियों को खत्म करने का संदेश दिया गया। ताल और प्रतीकों के माध्यम से इस प्रस्तुति ने दर्शकों को अन्याय के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों के सशक्त भाव और तालमेल भरे प्रदर्शन ने सभी पर गहरी छाप छोड़ी और उन्हें खूब तालियां मिलीं।

वहीं, फूड इज लाइफ ने मनोरंजन के माध्यम से सामाजिक संदेश दिया। इस प्रस्तुति में छात्रों ने भोजन की बबार्दी जैसे गंभीर मुद्दे को रोचक ढंग से उजागर किया। कार्यक्रम में ग्लैमर और संवेदनशीलता का संगम प्रस्तुत करते हुए छात्रों ने आकर्षक फैशन शो का प्रदर्शन किया। इसके अलावा नन्हे बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति के माध्यम से सपनों की दुनिया को विविध रंगों में साकार किया और यह संदेश दिया कि जब बच्चे सपने देखते हैं, तो उनके सामने संभावनाओं और आशाओं का एक नया संसार खुल जाता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा रौणक मेला रहा, जिसे स्कूल के ऊजार्वान विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। उनके जोश से भरपूर कदमों और उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने सभागार को तालियों की गड़गड़ाहट और गर्व की भावना से गूंजा दिया।

यह प्रस्तुति पंजाब की रंगीन, जीवंत और उल्लासपूर्ण संस्कृति का सच्चा प्रतिबिंब बनी। समारोह के अंत में स्टूडेंट्स ने देशभक्ति गीत पर प्रस्तुति देकर स्टूडेंट्स ने माहौल को देशभक्त कर दिया।

स्कूल के डॉयरेक्टर संजय सरदाना ने कहा कि इस उम्र में मंच पर प्रस्तुति से बच्चों का डर दूर हो जाता है तथा उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।